ISSN 2349-6614

जून 2019

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

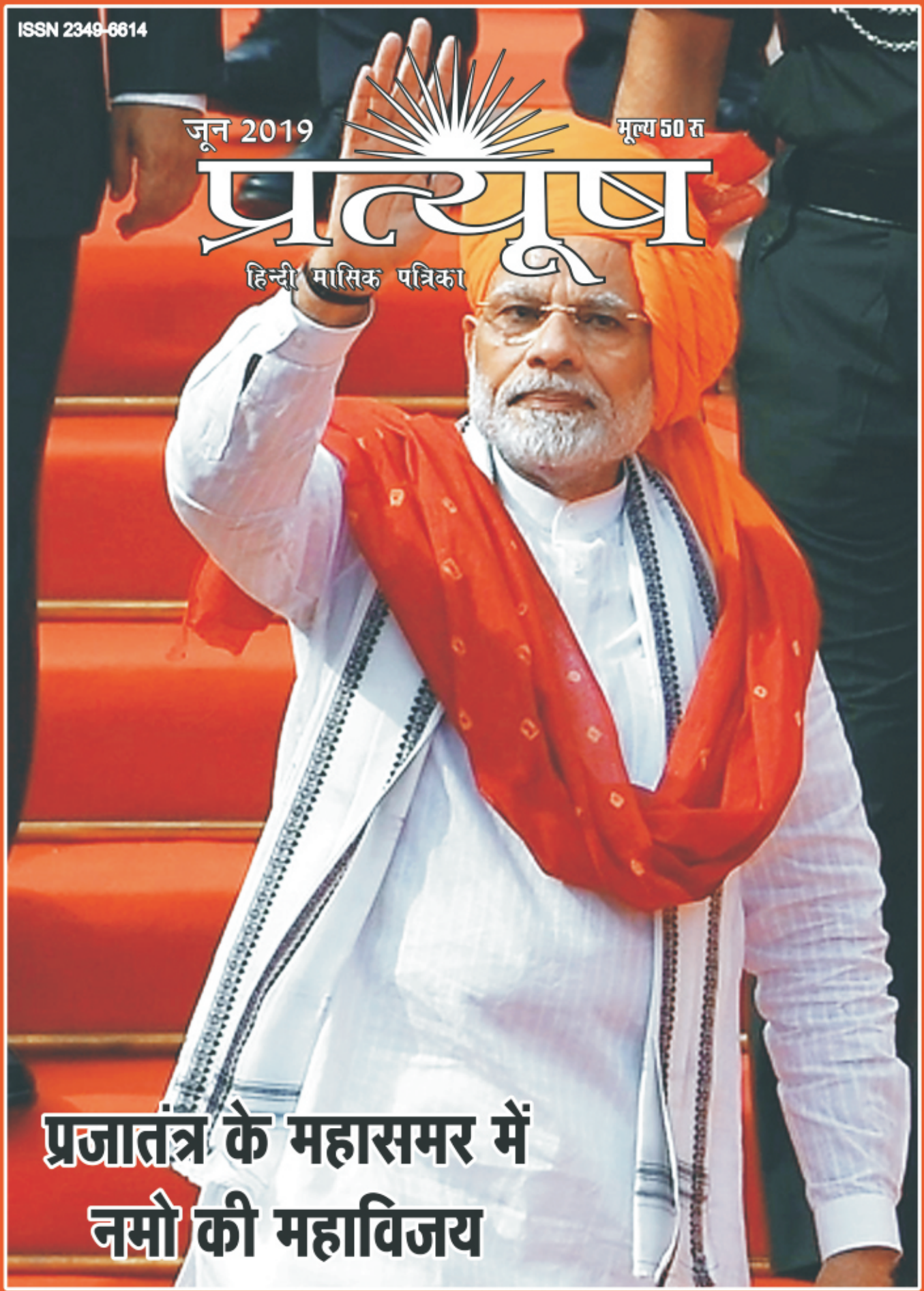

प्रजातंत्र के महासमर में नमो की महाविजय

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 4 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

शादी समारोह के रंग
टाया एस्टेट्स के संग

टाया एस्टेट्स

अमृत वाटिका - राज वाटिका - श्याम वाटिका
टाया एस्टेट्स, सहेलियों की बाड़ी, उदयपुर

बुकिंग हेतु सम्पर्क करें :
सुखसागर पैलेस, 133, अशोक नगर, मेन रोड, उदयपुर, मो. : 9001997000, 9001997005

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहाल्का

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत, ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राव
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

जून
2019
वर्ष 17, अंक 4

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

अन्दर के पृष्ठों पर...

10 आभार

विजय तो जनता - जनार्दन की

20 प्रकाश पुंज

प्रणवीर को प्रणाम

22 रहस्य

किस्सा 'येति' उर्फ 'हिममानव का'

33 सलाह

गर्मियों में सहेजें नाजुक त्वचा

35 सौगात

ईद की खुशियों में नसीहतों के इनाम

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

BHUPAL NOBLES' UNIVERSITY, UDAIPUR

(Approved by Rajasthan Legislative Assembly, University Act No. 23 of 2015)

Promoted by : Vidya Pracharini Sabha, Bhupal Nobles' Sansthan Udaipur, Rajasthan (Estd. 1923)

Admissions Open 2019-20

Pioneer Institute of Academic Excellence since last 95 years providing Quality Education and Career Base to students to become Noble Citizens of the Society.

Equipped with the latest and Hi-tech state-of-the-Art educational facilities. Post Matric Fellowship of State Govt., Fee Concession on the basis of Merit and other scholarships available.

Bhupal Nobles' P.G. College (Co-Education)

Email : bnpg1954@yahoo.co.in- 0294-2412981, 2423948

Bhupal Nobles' P.G. Girls' College

Email : bnpggcudr@gmail.com - 0294-2422934

Faculty of Social Sciences & Humanities (Contact - 7230060824)

B.A. • All subjects
B. Lib. • 1 Year **M. Lib.** • 1 Year
M.A. • Political Science, History, Sociology, English Lit., Hindi Lit. Geography Economics, Public Adm. Psychology, Drawing & Ptg. Home Science
M.S.W. • 2 Years P.G. Degree **Diploma in Library Science** • 1 Year
Ph.D. • Political Science, History, Sociology, English Lit., Geography Economics, Public Adm. Psychology, Visual Art, Home Science , Hindi Lit.

Faculty of Commerce & Management (Contact - 9414169298)

B.Com • 3 years Degree **B.B.A** • 3 Years Degree
Hotel Mgt. • BHM (4 Years Degree) & BATM (3 Years Degree)
M.Com • ABST, Bus. Adm., Banking & Bus. Economics
Ph.D. • ABST, Bus. Adm., Banking & Bus. Economics

Faculty of Science (Contact - 9928996640)

B.Sc. • Botany, Mathematics, Computer Science, Biotech
B.Sc. Bio-technology (Honours) • 3 Years Degree
B.C.A. • 3 Years Degree **PGDCA** • 01 Year
M.Sc. • Physics, Mathematics, Chemistry, Bio-technology, Botany, Zoology Computer Science, Home Sc. (Human Development & Family Studies)
Ph.D. • Physics, Mathematics, Chemistry, Bio-technology, Botany, Zoology, Computer Science & App.

Bhupal Nobles' College of Pharmacy

Email- bnpharmacy@gmail.com **Website :** www.bnpharma.org
Ph.- 0294-2413182, 7230060826, 7230060842

Bhupal Nobles' Institute of Pharmaceutical Sciences

Email : bnipsudaipur@gmail.com **Website :** www.bnips.org
Ph. 0294-2410406, 7230060827

Faculty of Pharmacy (Contact – 7230060826, 7230060827)

B.Pharma • 4 Years Degree **D. Pharma** • 2 Years
Pharm D • 6 Years **Pharm D – (PB)** 3 Years
M.Pharma • Pharmaceutics, Pharmacology, Pharm Chemistry Quality Assurance
Ph.D. • Pharmaceutics, Pharmacology, Pharm Chemistry, Pharmacognosy

Faculty of Agriculture (Contact - 9461271801)

B.Sc. (Honours) • Agriculture- 4 Years Degree Course

Bhupal Nobles' College of Physical Education

Website : www.bnphysical.org, 0294-2428469, 9314495356

Faculty of Education (Contact - 7230060844)

B.P.Ed. • 2 Years, **M.P.Ed.** • 2 Years, **Ph.D.** • Physical Education
B.A. B.Ed. • 4 Years **B.Sc. B.Ed.** • 4 Years(Integrated)
M.A. • Yoga **B.Ed.** • 2 Years **M.A.** • Education

Bhupal Nobles' Law College

Ph. 0294 - 2417211

Career Counseling & Placement Cell

Faculty of Law (Contact - 7230060812)

LLB • 3 Years Degree **LLM** • 2 Years Degree (PG)
B.A. LLB • 5 Years Degree(Integrated)

Pratap Shodh Pratishthan (Contact - 7230060819)

Historical & Cultural Research Centre.

Bhupal Nobles' Sr. Sec. School (RBSE) (Contact - 7230060828)

Email : bnsss1923@gmail.com Ph. 0294-2423952

Bhupal Nobles' Public School (CBSE) English Medium (Contact - 7230060829)

Email : bnpublicudaipur@rediffmail.com Ph. 0294-2426018

Bhupal Nobles' Girls P.G. College, Rajsamand

(Affiliated to M.L.Sukhadia University, Udaipur)
Ph. 02952-230707, 9414158352, 9828579061, 7230060813
B.A., B.Com, B.Sc., BCA, M.A., M.Sc. (Chemistry), M.Com.(Bus. Adm.)

Bhupal Nobles' Girls' College, Salumber

(Affiliated to M.L.Sukhadia University, Udaipur)
Ph. 02906- 232411, 9414609913, 7230060846
B.A., B.Com., BCA

Other Facilities

- Maharana Raj Singh Swimming Pool
- Maharana Mahendra Singh Gymnasium
- Bhupal Nobles' Sports Shooting Range
- Bhupal Nobles' Cricket Academy

Ph.D. Programme

Contact- Dean, PG Studies – 7230060807, 7230060824

For Admission Procedure Please Visit our Website

www.bnuniversity.ac.in **Email –** registrar@bnuniversity.ac.in
0294- 2414497, 2414498

Hostel Facility Available for Girls & Boys Separately
Contact : 0294-2417181, 9001709559, 9414313542, 7230060831

Gunwant Singh Jhala
Acting President, V P Sabha

Dr. Mahendra Singh Rathore
Secretary, V P Sabha

Mohabbat Singh Rathore
Managing Director, B N Institute

नव संकल्पों के साथ नई यात्रा

यह पहली बार है जब किसी गैर कांग्रेसी सरकार ने केन्द्र में दोबारा बहुमत हासिल किया है। हालांकि मतदान पूर्व के तमाम आकलनों, अनुमानों को निर्मूल साबित करते हुए भाजपा ने दूसरी बार अपने दम पर बहुमत पाया है। मतदान बाद के सर्वेक्षणों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों की भारी जीत को विपक्ष सिरे खारिज कर रहा था क्योंकि किसी को नहीं लग रहा था कि भाजपा से ऐसा करिश्मा संभव है। ऐंटी-इन्कंबेंसी फैक्टर और तमाम मसलों पर विपक्षी हमलों के मद्देनजर ऐसा माना जा रहा था कि नरेन्द्र मोदी को कड़ी टक्कर मिलेगी। हालांकि जैसे-जैसे मोदी की रैलियां होती गई, देश में उनका जादू असर करता गया और पहले से बिखरा विपक्ष अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष करता दिखा। सात चरणों के चुनाव के बाद आए एग्जिट पोल ने साफ बता दिया था कि मोदी की सुनामी विपक्ष की सभी दीवारों को धराशायी करने जा रही है। मोदी के नया भारत बनाने के संकल्प पर लोगों ने भरोसा जताया। 80 सीटों वाले राज्य यूपी में एसपी-बीएसपी और आरएलडी के महागठबंधन बनाने के बाद भी वे मोदी के कद की वजह से बीजेपी को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा सके।

भाजपा की यह जीत न सिर्फ इस मायने में ऐतिहासिक है कि उसने दुबारा सत्ता में वापसी की है, बल्कि पहले की अपेक्षा अधिक सीटें हासिल की हैं। जहां उसके नुकसान के अनुमान लगाए जा रहे थे, वहां भी उसने अपनी हैसियत कायम रखी है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के हाल ही संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मिली शिकस्त के बावजूद उसने लोकसभा चुनाव में अपना दबदबा कायम रखा। कुछ नए राज्यों में भी उसने अपनी धमाकेदार उपस्थिति बनाई है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा के अलावा कर्नाटक में वह दमदार पार्टी के रूप में उभरी है। कर्नाटक विधानसभा चुनावों के बाद माना जा रहा था कि लोकसभा चुनावों में भी भाजपा को खासा नुकसान पहुंचेगा, पर ये अनुमान भी निर्मूल साबित हुए। उत्तर प्रदेश में उसके अधिक नुकसान का आकलन था, पर वहां भी उसे बहुत चोट नहीं पहुंची। जबकि वहां सपा और बसपा के गठजोड़ से जातीय समीकरण के चलते भारी उलटफेर की आशंका थी। महाराष्ट्र और गुजरात में भी उसे कोई बड़ी चुनौती नहीं मिल पाई। यानी पूरे देश के स्तर पर जनादेश उसके पक्ष में आया।

विपक्षी दल लगातार सरकार के कामकाज के तरीके, अर्थव्यवस्था की खस्ता हालत, रोजगार और खेती-किसानी के मोर्चे पर उसके फेल होने की दुहाई देते रहे, कई क्षेत्रीय और जातीय समीकरण भी बनाए-बिठाए गए, पर वे भाजपा के खिलाफ काम नहीं आ सके तो उसकी कुछ वजहें साफ हैं। पहला तो यह कि विपक्ष पिछले पांच सालों में लगातार लुंजपुंज रहा। विपक्ष का कोई सशक्त चेहरा लोगों के सामने नहीं था। फिर चुनाव के वक्त गठबंधन करने में भी वे सफल नहीं हो पाए। चुनाव बाद सरकार बनाने के समीकरण बनाए जाने लगे। इन तमाम स्थितियों के बीच कांग्रेस के बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरने की उम्मीद जताई जा रही थी। मगर हकीकत यही है कि कांग्रेस लोगों में अपने प्रति विश्वास बहाल नहीं कर पाई।

कांग्रेस ने इन चुनावों में राफेल को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की, लेकिन इसमें 'चौकीदार चोर है' के नारे का संभवत: नकारात्मक संदेश गया। सुप्रीम कोर्ट और सीएजी की क्लीन चिट के बावजूद प्रधानमंत्री के लिए चौकीदार चोर है कहना, जनता को नहीं जंचा। इसे जहां मोदी के प्रति लोगों में सहानुभूति बढ़ी, वहीं जमीनी स्तर पर कांग्रेस के लिए इस मुद्दे ने कोई काम नहीं किया। चुनावों के दौरान खुद मोदी ने विपक्ष की गालियों का जिक्र करके अपने लिए सहानुभूति बटोरी।

राजस्थान में अशोक गहलोत, सचिन पायलट के बीच पटरी न बैठना, मध्यप्रदेश में कमलनाथ-माधवराव सिंधिया व दिग्विजय सिंह में सामंजस्य की कमी जैसे कारणों से भी वह मोदी की आक्रामकता का काट नहीं खोज सकी। इन नतीजों का सबसे आश्चर्यजनक पहलू है, देश के पूर्व और पूर्वोत्तर में पहली बार कमल का खिलना। पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, खासतौर से असम में और पश्चिम बंगाल और ओडिशा में अच्छी मोदी लहर दिखी है। पूर्वोत्तर को प्रधानमंत्री पहले ही 'हीरा' देने का एलान कर चुके हैं। 'हीरा' का 'ह' हाई-वे, 'आई' इंटरनेट, 'आर' रेलवे और 'ए' एयर कनेक्टिविटी यानी हवाई सेवा है। हालांकि राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर(एनआरसी) को लेकर पिछले वर्ष यहां केन्द्र सरकार का जमकर विरोध हुआ था, लेकिन असम गण परिषद् व बोडो पीपुल्स फ्रंट के साथ गठबंधन का पूरा फायदा भाजपा को मिला।

लोकसभा चुनाव के परिणाम से स्पष्ट है कि जनता अब पाखंडी सेकुलरवाद के नाम पर टुकड़े-टुकड़े गैंग, देशविरोधियों और अलगाववादी शक्तियों को बिल्कुल भी सहन नहीं करेगी। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को समझना होगा कि राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और सबका साथ, सबका विकास-वह मापदंड बन चुके हैं, जिससे सत्ता का मार्ग प्रशस्त होता है।

हर जीत अपने साथ चुनौतियां भी लाती हैं, जाहिर है इस बार नरेन्द्र मोदी की चुनौतियां पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा बढ़ जाएंगी। एक तात्कालिक चुनौती तो यह है कि चुनाव अभियान के दौरान देश के राजनीतिक विमर्श में काफी कड़वाहट आई है, इससे तुरन्त मुक्ति पाना बहुत जरूरी है। बेशक यह सभी दलों का दायित्व है, पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री के कंधों पर तो होगी ही, विपक्षी नेताओं को भी इसमें योगदान करना होगा। इसके अलावा आर्थिक मोर्चे पर बेरोजगारी समेत बहुत सारी नई-पुरानी चुनौतियां खड़ी हैं। जिन पर नई सरकार को तुरन्त ध्यान देना होगा।

With Best Compliments

SAH POLYMERS LIMITED

(Manufacturer of HDPE/PP Laminated & Unlaminated Woven Fabric, Sacks and F.I.B.C.)

E-260-261, M.I.A., Madri, Udaipur - 313003
Ph. : 0294-2490242, 2493889, TeleFax : 0294-2490534
E-Mail : info@sahpolymers.com, Website : www.sahpolymers.com

नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक वापसी

पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक भाजपा

बंगाल में भाजपा विकल्प बनने की तैयारी में

कांग्रेस नेतृत्व पर पार्टी का वजूद बचाने की बड़ी जिम्मेदारी

– मनीष उपाध्याय

यह पहली बार है जब किसी गैर-कांग्रेसी सरकार ने केन्द्र में दुबारा भारी बहुमत के साथ वापसी की है। भारतीय जनता पार्टी की इस पहुंच के बारे में कुछ साल पहले तक न तो किसी ने सोचा होगा और न ही भाजपा खुद को विजय का ऐसा शिखर कभी छूने की उम्मीद थी। लेकिन यह करिश्मा कर दिखाया नरेन्द्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी ने। भाजपा की इस विजय के लिए कमजोर विपक्ष भी एक बड़ा कारण रहा है।

सत्रहवीं लोकसभा के साथ-साथ चार राज्यों-ओडिशा, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के चुनाव भी सम्पन्न हुए। इनमें अरुणाचल में पहली बार भाजपा ने जीत दर्ज की, जबकि सिक्किम में उसकी समर्थित सरकार ने सत्ता पर कब्जा किया है। ओडिशा में पांचवी बार बीजू जनता दल की सरकार बन रही है तो आंध्र में तेलगू देशम पार्टी के चन्द्रबाबू नायडू को वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी ने सत्ता से बेदखल कर दिया है। लोकसभा चुनाव में मोदी-शाह के नेतृत्व में भाजपा ने अकेले 303 सीटों पर जीत दर्ज की। जबकि सहयोगी दलों के साथ एनडीए की ताकत 355 सदस्यों के साथ काफी बढ़ गई है। करीब 48 साल बाद किसी एक दल को ऐसी ऐतिहासिक जीत नसीब हुई है।

सन् 2014 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद जनता के नाम अपने आभार प्रदर्शन में मोदी ने कहा था कि - **'आपके मेरे बीच यह रिश्ता मात्र पांच साल का ही नहीं है, मुझे आपसे दस साल और चाहिए।'** जनता ने उनकी बात का मान रखते हुए उन्हें 2014 से भी बड़ी जीत सुपुर्द की है। अब बारी मोदीजी की है, उन्हें जनता की आशाओं-अपेक्षाओं का पता है, जिन पर उन्हें परिणाममूलक काम करना होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने अपना प्रचार अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इर्द-गिर्द ही केन्द्रित रखा और रफाल विमान सौदे में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए 'चौकीदार चोर है' के नारे के साथ पूरी आक्रामकता दिखाई। ऐसा ही उनके अन्य नेताओं और महागठबंधन के नेताओं ने किया। लेकिन वे यह स्थापित करने में नाकाम रहे कि विमान सौदे में भ्रष्टाचार हुआ ही है। इस बीच जनता के मुद्दे दोनों ओर से गौण हो गए। भाजपा ने भी कांग्रेस सरकारों के कथित घोटालों को जोर-शोर से उछालना शुरू कर दिया। हालांकि विपक्षी दलों ने चुनाव-प्रचार के बीच सरकार के कामकाज के तरीके, कमजोर अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, खेती-किसानी के मोर्चे पर निराशा जैसे मामले उठाए भी तो उनका प्रभाव इसलिए नहीं पड़ा कि क्योंकि पिछले पाच साल से विपक्ष लगातार कमजोर रहा। जबकि भाजपा ने 2014 के चुनाव खत्म होते ही 2019 के महासमर की तैयारियां आरंभ कर दी थी।

इस चुनाव में लोकतांत्रिक भारत को अच्छे-बुरे दोनों तरह के अनुभव हुए। नेताओं ने प्रतिद्वन्द्वियों के खिलाफ बिगड़े बोल और आरोप-प्रत्यारोप के बीच मर्यादा ओर शालीनता की सारी सीमाएं लांघ दी। चुनाव में जनता के मुद्दे गौण हो गए। सत्ता पक्ष ने पिछले पांच सालों के कार्यों और उनके परिणामों का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया तो विपक्ष ने राजनीति में शुचिता की दुहाई देते हुए भी पश्चिम बंगाल में हिंसा के खिलाफ एक भी शब्द इसलिए नहीं बोला कि उसकी नज़र संभावित मिली-जुली जीत पर केन्द्रित थी। सभाओं-रैलियों में दोनों ही ओर से अभद्र टिप्पणियों और गाली-गलौज की श्रृंखला ने देशवासियों का विश्व समुदाय के सामने सिर नीचा कर दिया।

पश्चिम बंगाल पुलिस यह भली-भांति जानती थी कि वहां भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच चुनाव के पहले ही चरण से टकराव का माहौल था और हर चरण में हिंसक झड़पें भी हुई, फिर उसने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के रोड शो के दौरान क्यों ऐहतियाती कदम नहीं उठाए और खून-खराबा होने दिया गया। क्या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इसके लिए माफ किया जा सकता है ? ऐसी घटनाओं के बीच चुनाव आयोग की भी तारीफ करनी पड़ेगी कि प्रारंभिक दौर में वह जरूर कुछ कमजोर नजर आ रहा था लेकिन बाद में उसने सख्ती दिखाकर पं. बंगाल में व्यापक हिंसा की संभावनाओं पर विराम लगा दिया। अन्तिम चरण के चुनाव से पूर्व प्राय: सभी चरणों में व्यवस्थित ओर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप केवल झेंप मिटाने के लिए गढ़े गए थे।

जहां तक देश के दो प्रमुख दलों कांग्रेस और भाजपा के चुनावी वादों का सवाल है तो वे सिर्फ अपने-अपने घोषणा पत्रों में ही कैद होकर रह गए। फिर भी जनता के बीच उन्हें लेकर जो कुछ कहा गया, उसी पर थोड़ी निगाह डालें। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी सहित उनके दिग्गज नेताओं ने अपने भाषणों में देश की जनता से किए गए वादों में देश के 20 प्र.श. सर्वाधिक गरीबों के बैंक खाते में वर्ष भर में 72 हजार रुपये डालने, सार्वजनिक क्षेत्र में 34 लाख नौकरियां और मार्च 2020 से पहले केन्द्र सरकार में रिक्त 4 लाख पदों पर भर्ती, राज्यों की सरकारों को भी ऐसा ही करने के निर्देश, किसानों को कर्ज मुक्ति के रास्ते पर लाने के लिए अलग बजट की व्यवस्था, स्वास्थ्य पर जीडीपी का 3 फीसद व्यय, जीएसटी में समान टैक्स दर, रक्षा खर्च बढ़ाने, शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्र. श. 33 फीसद महिला आरक्षण जैसे वादे प्रमुख थे। लेकिन जनता के बीच इन्हें प्रभावी तरीके से पेश करने की बजाय सिर्फ मोदी को घेरने की ही कोशिश हुई।

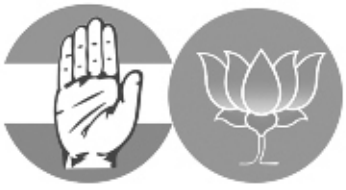

जहां तक भारतीय जनता पार्टी का सवाल है, उसके वरिष्ठ नेता एवं राजग सरकार के मुखिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष अमित शाह और अन्य नेताओं ने अपने भाषणों में राष्ट्रवाद को प्रमुख मुद्दा बनाया। बालाकोट की एयर स्ट्राइक को नेता चुनावी कैंपेन से लेकर इंटरव्यू और मीडिया के बीच प्रभावी तरीके से पेश करते रहे। कांग्रेस ने जहां सर्वाधिक गरीबों के खाते में 72 हजार रुपये डालने की बात कही तो भाजपा ने किसान सम्मान निधि की घोषणा कर 6 हजार रुपये सालाना छोटे किसान(पांच एकड़ तक जोत रखने वाले) को देने की बात कही। यह भी उल्लेखनीय है कि चुनाव पूर्व ही मोदी सरकार एक बड़ा दांव अंतरिम बजट में 5 लाख रुपए तक की आय को कर मुक्त करके चल चुकी थी। जिससे आम आदमी काफी प्रभावित हुआ। सरकार की सबको घर, बिजली, घरेलू गैस और आयुष्मान योजना ने भी भाजपा का वोट बैंक बढ़ाने में काफी मदद की।

यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के अनथक परिश्रम की ओर भी इंगित करता है। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के कौशल प्रबंधन एवं नियोजन का भी प्रतीक है। उन्होंने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की पृथक रणनीति तैयार की और चुनावी गणित को साधा।

एनडीए	यूपीए
355 (+19)	91 (+32)
2014 सीटें 336, वोट 38.5%	2014 सीटें 59, वोट 23.3%
भाजपा	कांग्रेस
303 (+21)	52 (+08)
वोट 38.5%	वोट 22%
2014 सीटें 282, वोट 31.3%	2014 सीटें 44, वोट 19.5%
अन्य 96 (-52)	2014 सीटें 148, वोट 38.2%

कांग्रेस जो देश की सबसे पुरानी और आजादी दिलाने वाली पार्टी रही है। जिसने राष्ट्र निर्माण का प्रारंभिक कार्य बड़ी सूझ-बूझ और योजनाओं के साथ किया। देश को विकासशील राष्ट्रों की अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए इसने पंचवर्षीय योजनाओं को आधार बनाकर जनता के आर्थिक और सामाजिक स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अब पार्टी में ढांचागत बदलाव पर ध्यान देना होगा। हार-जीत प्रजातंत्र की एक सामान्य प्रक्रिया है। हार से ऊपर उठकर अपनी कमजोरी और ताकत का विश्लेषण करना होगा। ऐसा ही अन्य विपक्षी दलों को भी करना चाहिए।

नरेन्द मोदी की दुबारा सत्ता में वापसी के बाद उम्मीद है कि उन्होंने जो भी वादे किए हैं, उन्हें वे योजनाबद्ध और समयबद्ध लागू करेंगे। कश्मीरी पंडितों को सबसे पहले उन्हें अपने पैतृक गांवों में लौटाना और उनके पुनर्वास के पुख्ता प्रबंध करने होंगे। सत्तारूढ़ दल के नेतृत्व पर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी अपने कार्यकर्त्ताओं को अनुशासन में रखना है। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि - 'जीतना आसान है लेकिन उसे पचाना बड़ा कठिन है।' भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही पार्टी से दागी नेताओं-कार्यकर्त्ताओं को दरकिनार करना होगा।

कांग्रेस की हालत सबसे खराब है। इसके लिए इसके नेताओं के अलावा और कौन जिम्मेदार हो सकता है। राहुल गांधी को मुगालते में रखा गया। उनके सामने नेता सभा और रैलियां तो खूब करते रहे किन्तु चुनाव मैदान में अपने ही पट्ठों को उतार कर पार्टी की लुटिया डूबो दी। राहुल गांधी का चुनाव परिणामों से हताश-निराश होना स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें पलायन नहीं करना है, यदि वे ऐसा करते हैं तो कांग्रेस का रहा-सहा वजूद भी खत्म हो जाएगा। हार-जीत लोकतांत्रिक प्रणाली में होती रही है और होती रहेगी। उन्हें इससे ऊपर उठकर पार्टी में संगठन में बड़े बदलाव के साथ अनुशासन की स्थापना पर ज्यादा जोर देना होगा।

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.

(Retail Revolution)

शुद्धता विश्वसनीयता गुणवत्ता

उदयपुर भण्डार को सहकारी क्षेत्र में उत्तरी भारत के सर्वश्रेष्ठ भण्डार का गौरव प्राप्त है।

सुपर मार्केट की नियमित स्कीमें

समस्त उत्पाद (M.R.P.) से कम दरों पर

- 101 रुपये का सामान प्रतिमाह जीवन भर मुफ्त
  (10 हजार जमा योजना अन्तर्गत जमा कराने पर)
- 1 किलो शक्कर आधी कीमत पर 1500.00 रुपये की खरीद पर

या

- 1 किलो शक्कर मुफ्त 2500.00 की खरीद पर

या

- 1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त 3500.00 रुपये की खरीद पर
- 5 प्रतिशत की छूट समस्त नहाने के साबुन पर/समस्त कपड़े धोने के साबुन पर/समस्त डिसवॉश बार पर/समस्त बिस्किट पर
- भण्डार की सदस्यता ग्रहण कर अधिक से अधिक लाभ उठाएं
  1 प्रतिशत की छूट सदस्यता पर
- www.thokbhandar.com वेबसाइट पर ऑनलाइन शॉपिंग सुविधा उपलब्ध है।

राज्य सरकार द्वारा हिस्सा राशि 500 रुपये करने से जिन सदस्यों की हिस्सा राशि 100 रुपये जमा है वे 400 रुपये और जमा कर हिस्सा राशि पूर्ण करें।

*(शर्तें लागू)

(पी. पी. माण्डोत)
प्रशासक

(राजकुमार खांडिया)
महाप्रबन्धक

विजय तो जनता जनार्दन की है!

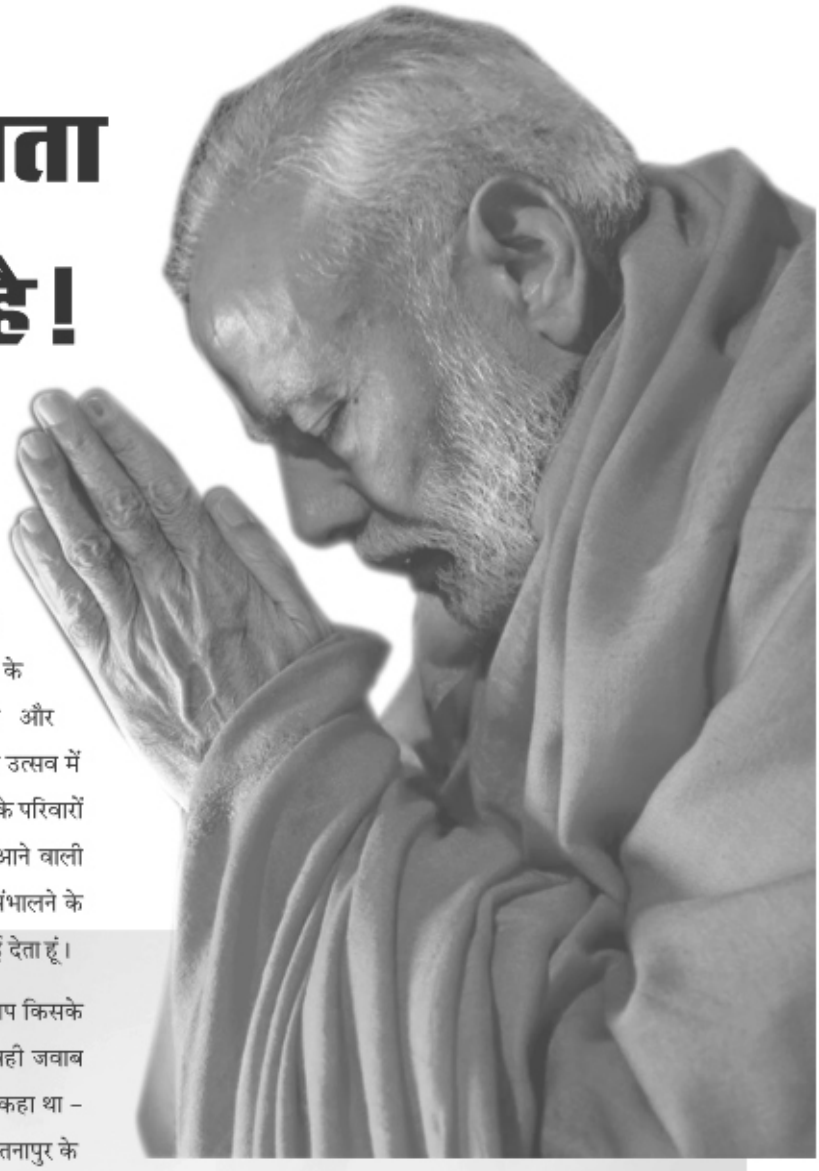

2019 के लोकसभा चुनाव में हम सब नए भारत का जनादेश लेने देशवासियों के पास गए थे। देश के कोटि-कोटि नागरिकों ने इस फकीर की झोली भर दी। मैं भारत के 130 करोड़ नागरिकों के सामने अपना सिर झुकाकर नमन करता हूँ। 2019 के मतदान का आंकड़ा विश्व में लोकतांत्रिक इतिहास की सबसे बड़ी घटना है। देश आजाद होने के बाद सबसे अ भारत के मतदाताओं की जागरूकता, लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक शक्ति को पूरे विश्व को पहचानना होगा। लोकतंत्र के उत्सव में लोकतंत्र की खातिर बलिदान देने, घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। लोकतंत्र के लिए मरने की मिसाल आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। लोकतंत्र के उत्सव की व्यवस्था संभालने के लिए चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों और अन्य सभी लोगों को मैं बधाई देता हूं।

महाभारत का युद्ध खत्म होने पर श्रीकृष्ण से पूछा गया था कि आप किसके पक्ष में थे। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने जो जवाब दिया था, वही जवाब आज हिन्दुस्तान के 130 करोड़ नागरिकों ने दिया है। श्रीकृष्ण ने कहा था – 'मैं किसी के पक्ष में नहीं था। मैं तो सिर्फ हस्तिनापुर के लिए हस्तिनापुर के पक्ष में खड़ा था।' 130 करोड़ नागरिक श्रीकृष्ण के रूप में भारत के लिए खड़े थे। इस चुनाव में मैं पहले दिन से कह रहा था कि यह चुनाव कोई दल, नेता या उम्मीदवार नहीं लड़ रहा। यह चुनाव देश की जनता लड़ रही है। जिनके आंख-कान बंद थे, उनके लिए मेरी बात समझना मुश्किल था। लेकिन वह भावना जनता जनार्दन ने प्रकट कर दी है। आज हिन्दुस्तान और लोकतंत्र जीता है। लोकसभा में जीतकर आए सभी दल के नेताओं को बहुत-बहुत बधाई। चार राज्यों की विधान सभाओं में जीते प्रतिनिधियों का भी अभिनंदन। भाजपा भारत के संविधान और फैडरलिज्म को समर्पित है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि केन्द्र सरकार राज्यों की विकास यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी। भाजपा की एक विशेषता है। हम कभी दो भी हो गए तो भी अपने मार्ग से विचलित नहीं हुए। आदर्शों को ओझल नहीं होने दिया। न रुके, न थके, न झुके। दोबारा आए हैं तो भी अपनी नम्रता, विवेक, आदर्श और संस्कार नहीं छोड़ेंगे। यह जीत मोदी की नहीं, बल्कि ईमानदारी के लिए तड़पते नागरिक की आशाओं और आकांक्षाओं की है। 21वीं सदी के सपने लेकर चले नौजवान की है। उन मध्यमवर्गीय परिवारों की है, जिन्हें अहसास है कि उनका टैक्स सही जगह काम आ रहा है। यह संतोष इन नतीजों में साफ नजर आ रहा है। ईमानदारी को इन नतीजों ने नई स्वीकृति दी है। हमारे देश में एक ऐसे प्रिंटआउट, टैग का फैशन था कि कुछ भी करो, उसे लगा लो आपको गंगा स्नान जैसा पुण्य मिल जाता था। उस नकली टैग का नाम था सेकुलरिज्म। इस चुनाव में एक भी राजनीतिक दल सेकुलरिज्म का नकाब पहनकर देश को गुमराह करने की हिम्मत नहीं कर पाया। देश में हर चुनाव के केन्द्र में महंगाई और भ्रष्टाचार रहते थे। लेकिन विरोधी दल पिछले नाव में नहीं थी। इसलिए पॉलिटिकल पंडित समझ नहीं पा रहे थे कि किस तराजू से चीजों को तौलें। इस चुनाव ने 21वीं सदी में हमारे सामाजिक राजनीतिक जीवन की एक मजबूत नींव रखी है। जनता ने एक नया नैरेटिव रखा है। अब इस देश में सिर्फ दो जातियां बचेंगी। जाति के नाम पर खेलने वालों पर यह बहुत बड़ा प्रहार है। दो जातियां कौन सी हैं? एक है गरीब। दूसरी है देश को गरीबी से मुक्त करवाने के लिए योगदान देने वालों की। 21वीं सदी में इन दोनों को सशक्त करना है। गरीबी से बाहर लाने में जो बढ़-चढ़कर मदद कर रहा है, उसे भी ताकतवर बनाना है। अगले पांच साल के लिए इतना प्रचंड

महाविजय के बाद
काशी-विश्वनाथ का अभिषेक

जनमत बहुत बड़ी और दुनिया को अचंभित करने वाली घटना है। यही समय है, जब देश महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाएगा। देश 2022 में आजादी के 75 साल मनाएगा। 2019 से 2024 का यह कालखंड आजादी के सिपाहियों को याद करने का है। 1942 से 1947 के बीच तो जनसंख्या भी इतनी नहीं थी, फिर भी बड़ी-बड़ी सल्तनत को परास्त कर दिया था। आज हम 130 करोड़ हैं। हम संकल्प कर लें कि देश को सभी मुसीबतों से मुक्त करना है, समृद्ध राष्ट्र की ओर ले जाना है।

लोकतंत्र के संस्कार हमें जिम्मेदारी देते हैं कि सरकार भले बहुमत से बनती हो लेकिन देश सर्वमत से चलता है। मैं आज सार्वजनिक रूप से कहता हूं... चुनाव में क्या हुआ... कैसे हुआ.... कौन बोला.... क्या बोला.... मेरे लिए वो बात बीत चुकी है। हमें आगे देखना है। सबको साथ लेकर चलना है। घोर विरोधियों को भी साथ लेकर चलना है। प्रचंड बहुमत के बाद भी नम्रता से चलना है। संविधान ही हमारा सुप्रीम है। संविधान के हर शब्द के भाव को पकड़ते हुए हमें चलना है। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि आज आपने इस फकीर की झोली भर दी है। इसके पीछे बड़ी आशा और अपेक्षा है। मैं इसकी गंभीरता को भली-भांति समझता हूं। आप 2014 में मुझे ज्यादा नहीं जानते थे। लेकिन भरोसा किया। 2019 में आपने मुझे ज्यादा जानने के बाद और ज्यादा ताकत डाल दी। मैं इसके पीछे की भावना समझता हूं। आपने मुझे जो दायित्व दिया है, जो काम दिया है उसे पूरा करूंगा। आने वाले दिनों में बदइरादे से बदनीयत से कोई भी काम नहीं करूंगा। काम करते-करते गलती हो सकती है लेकिन बदइरादे और बदनीयत से कोई काम नहीं करूंगा। दूसरा, मैं मेरे लिए कुछ नहीं करूंगा। तीसरी बात-मेरे समय का पल-पल, मेरे शरीर का कण-कण सिर्फ और सिर्फ देशवासियों के लिए है। मेरे देशवासी आप जब भी मेरा मूल्यांकन करें, इन तीन तराजू पर जरूर मुझे कसते रहना। कभी कोई कमी रह जाए तो मुझे कोसते रहना। लेकिन मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि मैं सार्वजनिक रूप से जो बातें बताता हूं उसे जीने के लिए भरपूर प्रयास भी करता हूं। धन्यवाद

- नरेन्द्र मोदी

(लोकसभा चुनाव-19 में अभूतपूर्व विजय के बाद 23 मई की शाम भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण)

मनोज दक

Mo. 9414169689

DAK PACKERS & MOVERS ALL OVER INDIA

बांसवाड़ा गोल्डन ट्रांसपोर्ट कं.

नेहरू बाजार, उदयपुर (राज.)

डेली सर्विस : उदयपुर से बांसवाड़ा, सागवाड़ा, परतापुर, सलूम्बर आसपुर, साबला, तलवाड़ा, घाटोल, कलिंजरा, बागीदौरा, कुशलगढ़, सज्जनगढ़, पालोदा, आसपुर, बड़गी, चीतरी, गलियाकोट

जीवन और खनिज खोजने की पहल

– नंद किशोर

देश के महत्वाकांक्षी दूसरे चन्द्र मिशन चन्द्रयान-2 का प्रक्षेपण अगले माह होगा। जीएसएलवी मार्क-3 से इसकी लॉन्चिंग 9 से 16 जुलाई के बीच होगी और 6 सितम्बर को भारतीय यान चांद की धरती पर कदम रखेगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) इन दिनों चन्द्रयान-2 के प्रक्षेपण की तैयारियों में जुटा है। इसरो की घोषणा के अनुसार प्रक्षेपण 9 से 16 जुलाई के बीच होगा। चन्द्रयान-2 का मुख्य उद्देश्य चन्द्रमा पर उतरना और वैज्ञानिक महत्व के परीक्षण करना है। आपको याद होगा कि चन्द्रयान-1 जब चन्द्रमा पर गया था तब उसने सिर्फ तस्वीरें खींची थीं और उनका विश्लेषण मात्र किया था। चन्द्रयान-2 की लॉचिंग करीब सवा साल विलम्ब से हो रही है। इसे पिछले साल अप्रेल में ही प्रक्षेपित किया जाना था। इसरो के अनुसार जब इसके प्रक्षेपण की सारी तैयारियां पूरी हो गई, तो राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षा समिति ने चंद्र सतह पर उतारे जाने वाले रोवर में कुछ सुधार के सुझाव दिए, जो महत्वपूर्ण और मिशन के लिए उपयोगी भी थे। सुझावों के अनुसार बदलावों को अंजाम दिया गया। उपग्रह में भी कुछ अपेक्षित सुधार किए गए।

सभी उपकरण स्वदेशी

चन्द्रयान-2 में तीन मॉड्यूल होंगे। आर्बिटर, लैंडर(विक्रम) और रोवर(प्रज्ञान) लैंडर के अन्दर ही रोवर होगा। जीएसएलवी मार्क-3 चन्द्रयान-2(आर्बिटर और लैंडर) को धरती की कक्षा में स्थापित करेगा, जिसके बाद उसे चांद की कक्षा में पहुंचाया जाएगा। इसके लिए कम से कम 7 मैनुवर होंगे। चांद की कक्षा में चंद्रयान-2 के पहुंचने के बाद लैंडर निकलकर चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह(धरती) पर सॉफ्ट लैंडिंग करेगा।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि चन्द्रयान-2 में सभी शोध उपकरण(पेलोड) स्वदेशी हैं। एक भी विदेशी नहीं है। इन भारतीय शोध उपकरणों की संख्या 13 है। ये पेलोड चन्द्रयान-1 के अपडेटेड संस्करण हैं। चन्द्रयान-1 के विपरीत इन पेलोड को चन्द्रमा की सतह पर उतरकर परीक्षण करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। इसरो इनसे अपेक्षित सटीक जानकारियां प्राप्त करने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है।

क्या हासिल होगा?

भारत के चन्द्र मिशन को लेकर यह सवाल स्वाभाविक है कि पचास साल पहले अमेरिका ने चांद पर इन्सान को ही उतार दिया था और कुछ हासिल नहीं हुआ तो, भारत की इस महंगी परियोजना के क्या मायने हैं ? यह एक नकारात्मक प्रश्न है। जब तक चांद के रहस्यों से परदा उठ नहीं जाता, तब तक खोज की अपार संभावनाएं हैं। जितने भी मिशन अब तक चांद पर गए, उनमें से केवल भारत के चंद्रयान-1 ने ही वहां कभी पानी होने की पुष्टि की थी। हालांकि चन्द्रयान-1 के उपकरण 'नासा' के थे और नासा के वैज्ञानिकों ने यह नतीजा निकाला था।

खोज की दिशाएं

जो भी देश चांद पर खोज के अभियान चला रहे हैं, उनकी खोज की विभिन्न दिशाएं हैं, क्या कभी चांद पर जीवन रहा ? क्या चांद पर बहुमूल्य संसाधन हैं ? क्या उन्हें धरती पर लाना संभव है ? क्या वहां कोई ऐसी धातु या गैस है, जो मानव के लिए उपयोगी हो सकती है ?

जहां तक जानकारियां हासिल करने का प्रश्न है, इसरो का कहना है कि चन्द्रयान-2 के माध्यम से हमें चन्द्रमा की उपसतह और चन्द्रमा की संरचना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल करना है, जो अब तक हमारे पास नहीं है। चन्द्रयान-2 से रोवर को चांद के दक्षिणी ध्रुव के उस स्थान पर भी उतारा जाएगा, जहां अभी तक कोई भी चंद्रमिशन नहीं पहुंचा है। इसलिए चांद के बारे में कुछ नई जानकारियां तो अवश्य ही मिलेंगी। चन्द्रयान-2 चन्द्रमा से कुछ भी नमूने लेकर नहीं आएगा। जो भी अध्ययन होगा, वहीं पर होगा और उससे प्राप्त आंकड़े वहीं से इसरो को मिलेंगे। उन्हीं आंकड़ों और सूचनाओं के आधार पर ही नई खोज होगी।

खनिज सम्पदा की खोज

पूरी दुनिया के समृद्ध एवं विकसित राष्ट्र आज अपने यहां घटती खनिज सम्पदा से चिन्तित हैं। उनके वैज्ञानिक उन संभावनाओं को तलाशने में जुटे हैं कि पृथ्वी से बाहर की खनिज सम्पदा को कैसे धरती पर लाया जाए। भारत की बात करें तो वह खनिज सम्पदा की दृष्टि से समृद्ध तो रहा है लेकिन बढ़ती आबादी और विकास के बढ़ते कदमों से यह सम्पदा लगातार घटती जा रही है। ऐसे में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में अंतरिक्ष में संसाधनों की खोज भारत के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

जीएसएलवी मार्क-3 से लॉचिंग

रोवर अपने प्रयोगों की सूचना लैंडर को देगा जो आर्बिटर को संचारित कर देगा। आर्बिटर से वह तमाम जानकारियां धरती स्थित इसरो के विभिन्न केन्द्रों तक पहुंचेगी। इसरो ने चन्द्रयान-2 लॉंच करने के लिए लॉन्च विंडो 9 से 16 जुलाई रखा है। यानी इन्हीं 7 दिनों के भीतर यह यान लॉन्च होगा। उसके लगभग 50 दिन बाद 6 सितम्बर को वह चांद की धरती पर उतरेगा। चन्द्रयान-3 को जीएसएलवी मार्क-3 से लॉन्च किया जाएगा।

श्री हरिकोटा में देख सकेंगे लॉन्चिंग

करीब 10,000 लोगों को चन्द्रयान की लॉचिंग देखने का मौका मिल सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। आंध्रप्रदेश के द्वीप श्रीहरिकोटा में बने सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र में इसके लिए एक विशाल स्टेडियम बनाया जा रहा है। जून के अन्त में इसरो दर्शकों से ऑनलाइन आवेदन मांगेगा। यह प्रक्रिया नि:शुल्क होगी। इसका मकसद इसरो के कार्यक्रमों में आम लोगों की दिलचस्पी बढ़ाना है।

◆ अलग-थलग पड़ने के डर से चीन ने प्रस्ताव से हटाया 'वीटो'

◆ आतंकियों के खिलाफ भारत की कोशिशों को बड़ी कामयाबी

◆ मानवता के हत्यारों की पनाहगाह के रूप में पाकिस्तान बेनकाब

मसूद अज़हर वैश्विक आतंकवादी घोषित

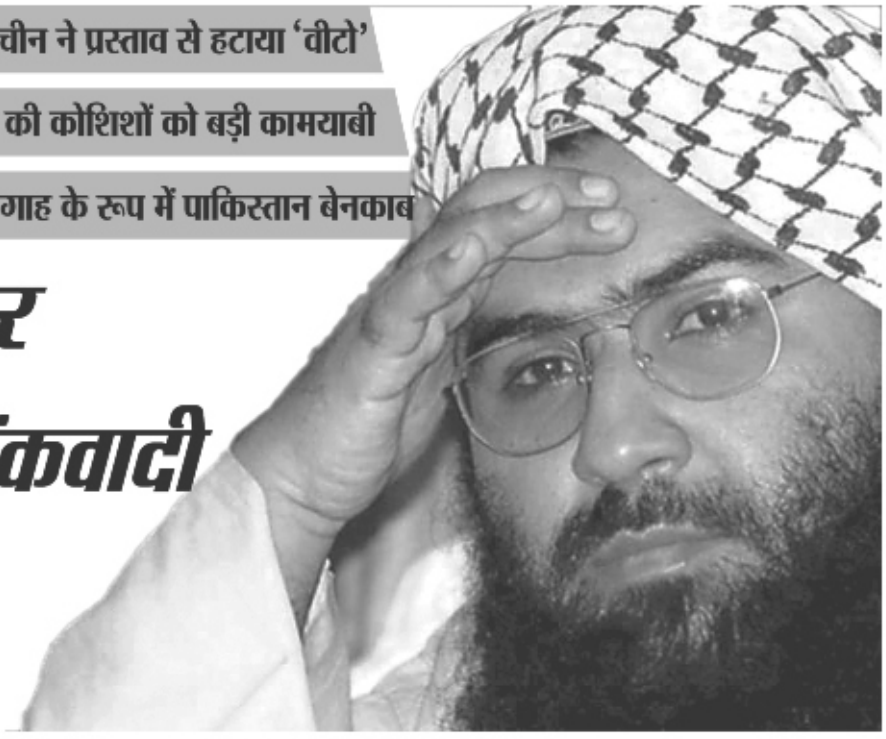

– उमेश शर्मा

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अज़हर को संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक आतंकी घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता है। मसूद को अब तक बचाते रहे चीन ने भी अन्ततः सुरक्षा परिषद् की प्रतिबंध समिति में अपने कदम पीछे खींच लिए। इसके बाद 1 मई को संयुक्त राष्ट्र ने मसूद को वैश्विक आतंकी घोषित कर दिया।

14 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर पाकिस्तान में पल रहे मसूद के आतंकवादी संगठन के आत्मघाती हमले में भारतीय सेना के 41 जवान शहीद हो गये थे। इस हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी। इसके बाद से ही अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने सुरक्षा परिषद में मसूद को वैश्विक आतंकी घोषित करने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पेश होने के दिन से ही सुरक्षा परिषद् में वीटो की ताकत रखने वाले चीन ने मसूद को आतंकी सूची में डाले जाने की कोशिशों में तकनीकी आड़ लेकर अड़ंगा डाल रखा था।

चीन को विश्व समुदाय के दबाव के आगे झुकते हुए सुरक्षा परिषद् की प्रतिबंध समिति को यह कहना पड़ा कि मसूद को आतंकी घोषित किए जाने के प्रस्ताव में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगा। इसके बाद उसने मसूद को वैश्विक आतंकी घोषित करने पर लगा वीटो हटा दिया।

अब मसूद और उसका संगठन उस काली सूची में आ गया है, जिसमें दुनिया के लिए खतरा बने आतंकी संगठन और उनके सरगनाओं को रखा जाता है। भारत के लिए यह बहुत बड़ी कूटनीतिक सफलता इसलिए है, क्योंकि मसूद अज़हर को वैश्विक आतंकी घोषित कराने के लिए लम्बे समय से जारी उसकी(भारत) कोशिशों में चीन बड़ी बाधा बना हुआ था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में चीन पर सुरक्षा परिषद् के सदस्य राष्ट्रों ने जिस तरह से दबाव बनाया, उसी से भारत की कोशिशों को कामयाबी मिली। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि दुनिया में भारत की बात को सुना जाने लगा है। पाकिस्तान भी बेनकाब हो गया है।

दुनिया के समक्ष देर से ही सही पर साबित हो गया है कि पाकिस्तान जैश ए मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे कई आतंकी संगठनों की जन्मस्थली और मानवता के हत्यारों की पनाहगाह है। चीन शुरू से ही मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के खिलाफ रहा है। क्योंकि पाकिस्तान के साथ उसके कारोबारी हित जुड़े हुए हैं। चीन-पाक आर्थिक गलियारा परियोजना इसका जगजाहिर प्रमाण है।

यह होगा असर

मसूद अजहर अब संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों की यात्रा नहीं कर सकेगा। दुनिया में जहां कहीं भी इसकी चल-अचल संपत्ति है, उसे जब्त किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र से सम्बद्ध कोई भी राष्ट्र उसकी किसी तरह की मदद नहीं करेगा और न उसे कहीं से हथियार ही मिल सकेंगे। संयुक्त राष्ट्र के फैसले के बाद पाकिस्तान में उसकी सम्पत्तियां जब्त की जा रही हैं।

भारत का अगला कदम

मसूद अजहर के वैश्विक आतंकी घोषित होने के बाद भारत ने संयुक्त राष्ट्र से आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विवक सम्मेलन बुलाने को कहा है। भारत की यह मांग सामयिक भारत ने इस सम्बंध में एक दस्तावेज संयुक्त राष्ट्र में 1986 में भी पेश किया था। लेकिन सदस्य राष्ट्रों के बीच आतंकवाद की परिभाषा को लेकर मतैक्य नहीं हो पाया। दरअसल इस सम्बन्ध में बड़े राष्ट्रों के अपने कूटनीतिक स्वार्थ भी रहे हैं, जिसका खामियाजा छोटे और विकासशील देश भुगतते रहे हैं।

शिक्षक का आतंकी बेटा

10 जुलाई, 1968 को बहावलपुर(पाकिस्तान) में जन्म लेने वाले मसूद अजहर का पिता अल्लाह बख्श शब्बीर एक सरकारी मदरसे का हेड था। मसूद की तालीम कराची के एक इस्लामी मदरसे में हुई। तालीम हासिल करने के दरम्यान ही वह अफ्गानिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठन हरकत-उल-अंसार के सम्पर्क में आया और पढ़ाई पूरी कर इसी संगठन को मुख्य सचिव बना और चंदा उगाही कर इस्लाम की आड़ में आतंक का प्रचार करने लगा। 24 जनवरी, 1994 को पुर्तगाली पासपोर्ट पर यह ढाका से दिल्ली आया था। भारत आने के बाद कश्मीरी युवाओं को आतंकी गतिविधियों की ओर प्रेरित करने लगा। फरवरी 1994 में इसे अनंतनाग से गिरफ्तार किया गया। इसके गिरफ्तार होने के 10 माह के भीतर आतंकियों ने दिल्ली में कुछ विदेशियों को अगवा कर उन्हें छोड़ने के बदले मसूद अजहर की रिहाई की मांग की, जो असफल हो गई। सन् 1999 में जम्मू की जेल से मसूद को छुड़ाने के लिए सुरंग खोदी गई, लेकिन अपने मोटे शरीर के कारण वह उसमें फंस गया और पकड़ा गया। 24 दिसम्बर, 1999 को आतंकियों ने इसे छुड़ाने के लिए काठमांडू से नई दिल्ली आ रहे इंडियन एयर लाइंस के विमान का अपहरण कर लिया। जिसमें 180 यात्री थे। 31 दिसम्बर को समझौते के बाद द. अफ्गानिस्तान के कंधार हवाई अड्डे पर अगवा कर रखे गए सभी 155 बंधकों को रिहा कर दिया गया। समझौते के तहत मौलाना मसूद अजहर, अहमद जरगर और शेख उमर सईद नाम के आतंकियों को छोड़ना पड़ा।

संसद से पुलवामा तक हमलों का मास्टरमाइंड

जैश सरगना मसूद अजहर संसद हमले से लेकर पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड है। भारत से छूटने के बाद मसूद ने 2000 में जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना की। मसूद ने पहला बड़ा हमला 2001 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा पर कराया था।

1 अक्तूबर 2001 - जम्मू-कश्मीर विधानसभा पर हमला कराया, जिसमें 38 लोगों की मौत हुई।

13 दिसम्बर 2001 - जैश-ए-मोहम्मद आतंकियों ने भारतीय संसद पर हमला किया। इसमें 14 लोगों की मौत हुई।

जनवरी 2002 - जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने वॉल स्ट्रीट जनरल के पत्रकार डेनियल पर्ल को कराची से अगवा कर हत्या कर दी।

जून 2002 - पाकिस्तान के कराची स्थित अमेरिकी दूतावास पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने हमला किया। इस हमले में 11 लोगों की मौत हुई और 40 लोग घायल हुए थे।

2 जनवरी 2016 - जैश के आतंकियों ने पठानकोट में वायु सेना के एयरबेस पर हमला किया। हमले में सात सुरक्षाकर्मी शहीद हुए, जबकि एक नागरिक की जान गई।

18 सितम्बर 2016 - जैश के आतंकियों ने उरी स्थित सेना के 12वीं ब्रिगेड मुख्यालय को निशाना बनाया। हमले में सेना के 19 जवान शहीद हो गए।

14 फरवरी 2019 - श्रीनगर-पुलवामा राजमार्ग पर सीआरपीएफ काफिले पर आत्मघाती हमला। इसमें 41 जवान शहीद हुए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी।

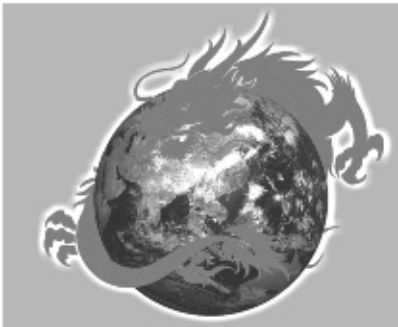

चीन के कई अड़ंगे

2009 - भारत ने अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया। चीन ने इस कदम को रोक दिया।

2016 - भारत ने एक बार फिर पी3(अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस) के समर्थन के साथ प्रस्ताव पेश किया।

2017 - पी3 देशों ने भी ऐसा ही प्रस्ताव पेश किया। लेकिन सुरक्षा परिषद में वीटो प्राप्त चीन ने फिर पारित नहीं होने दिया।

27 फरवरी 2019 - अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस ने सुरक्षा परिषद् में अजहर को लेकर एक नया प्रस्ताव पेश किया।

13 मार्च, 2019 - जैश प्रमुख को काली सूची में डालने के प्रयास को एक बार फिर चीन ने पूरा नहीं होने दिया।

28 मार्च, 2019 - अमेरिका ने फ्रांस और ब्रिटेन के समर्थन से सुरक्षा परिषद में फिर एक मसौदा प्रस्ताव पेश किया।

3 अप्रेल 2019 - मसूद पर अमेरिका की चेतावनी पर चीन ने कहा कि वॉशिंगटन मामले को उलझा रहा है।

30 अप्रेल, 2019 - चीन ने कहा कि अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की प्रक्रिया में कुछ प्रगति हुई है।

1 मई, 2019 - सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति ने अजहर को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया।

Wtih Best Compliments from

M/s. Patel Trading Company

Filter Media Suppliers, Civil Contractor
& Water Supply Consultants

Village : Bhalo Ka Guda (Chota), Post-Bhalo Ka Guda, Teh. Girwa, Distt. Udaipur 313024
Call : 9829284107, 9928393281, 9929400642, E-mail : pateldrd107@gmail.com

अयोध्या मामले के निश्चित समय-सीमा में समाधान की बजाय सुप्रीम कोर्ट की प्राथमिकता सर्व-स्वीकृत समाधान निकालने की है

मध्यस्थों को कोर्ट से मिली मोहलत

– विष्णु शर्मा हितैषी

अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद की विवादित जमीन के मसले को सुलझाने के लिए बनी मध्यस्थता समिति ने अपनी अन्तरिम रिपोर्ट सर्वोच्च अदालत को 7 मई को सीलबंद लिफाफे में सौंप दी। इस विवाद की आम सहमति से समाधान की संभावना तलाशने के लिए सर्वोच्च अदालत ने इसी साल 6 मार्च को जस्टिस एफएम कलीफुल्ला की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की समिति बनाई थी। जिसमें आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर और वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीराम पांचू शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च अदालत ने समिति को कहा था कि वह आठ सप्ताह में अपनी कार्यवाही बंद कमरे में पूरी करे। इसी निर्देश के मुताबिक समिति ने आठ सप्ताह की अपनी कार्यवाही का विवरण सर्वोच्च अदालत को बंद लिफाफे में सौंपा। अदालत ने तब समिति से यह भी कहा था कि मध्यस्थता की कार्यवाही 'बेहद गोपनीयता' के साथ होनी चाहिए, जिससे उसकी सफलता सुनिश्चित हो सके और मध्यस्थों समेत किसी भी पक्ष द्वारा व्यक्त किए गए मत सार्वजनिक न होने पाएं।

लिफाफा मिलने के आठ दिन बाद सुप्रीम कोर्ट में 15 मई को समिति सदस्यों (मध्यस्थों) की सुनवाई भी हुई, जिसमें उन्होंने अदालत से कहा कि वह विवाद के सर्वमान्य हल तक पहुंचने के लिए आशावान हैं और बातचीत के लिए उन्हें और समय चाहिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने गहन विचार-विमर्श के बाद यह तय किया कि यदि समिति नतीजों के प्रति आशावान है और समय चाहती है तो उसे 15 अगस्त तक मोहलत दी जाती है।

सुनवाई के दौरान दोनों ही पक्षों के वकीलों ने मध्यस्थता की कार्यवाही के प्रति भरोसा जताया और कहा कि वे पूरा सहयोग कर रहे हैं। एक अधिवक्ता का कहना था कि करीब 13,990 दस्तावेज क्षेत्रीय भाषाओं में हैं। कुछ का गलत अनुवाद हुआ है, जिससे समस्या होगी। इस पर पीठ ने कहा कि – यदि

कोई आपत्ति है तो उसे 30 जून तक लिखित में रिकार्ड पर लाएं। मध्यस्थता में लगने वाले अतिरिक्त समय का उपयोग दस्तावेजों के अनुवाद को सही करने में किया जाए। यदि मध्यस्थता विफल रहती है तो कोर्ट न्यायिक सुनवाई करेगा।

समय देना व्यावहारिक

अयोध्या भूमि विवाद को सुलझाने के लिए गठित तीन सदस्यीय पैनल को करीब 13 सप्ताह का अतिरिक्त समय देना तार्किक ही नहीं, व्यावहारिक भी है। जहां देश 70 साल से इस विवाद को झेल रहा है, वहां 13 सप्ताह का इन्तजार कोई मायने नहीं रखता। प्रश्न समय का नहीं समाधान का है। ऐसा समाधान, जिसमें सभी सम्बन्धित पक्षों की सहमति समाहित हो। श्रीरामलला, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड, यही तीन पक्ष हैं, जिनकी सहमति से ही अंतिम समाधान निकलना है। सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक प्रयास ऐसे समय में चल रहा है, जब देश शांति, प्रेम और अहिंसा के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है।

आशा-निराशा

योग गुरु स्वामी रामदेव ने मध्यस्थों को और समय देने पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि और समय देने का कोई औचित्य नहीं है। राम मंदिर पर हम फैसला जल्द चाहते हैं। चाहे वह न्यायालय से हो या उनके द्वारा नियुक्त पैरोकारों से। पहले ही इसमें कोई वर्ष निकल चुके हैं। हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़ अब बंद होना चाहिए। मध्यस्थों के पैनल को लेकर अयोध्यावासियों में भी खास उत्साह नहीं देखा गया। सभी का कहना है कि समझौतो से विवाद निपटना होता तो जाने कब का निपट जाता। कोर्ट से लेकर सरकार तक की ओर से कई बार प्रयास हुए हैं। फिर भी नतीजा सिफर ही रहा। ऐसे में अचानक मंदिर/मस्जिद विवाद से जुड़े हिन्दू व मुस्लिम पक्ष का मन बदल जाने की कोई परिस्थिति नहीं दिखाई देती। रामनगरी के वरिष्ठ व्यापारी नेता सुफल चन्द्र मौर्य सवाल उठाते हैं कि बातचीत तो कितनी बार हुई लेकिन विवादित जमीन पर कोई पक्ष जब दावा छोड़ने को तैयार ही नहीं है तो समझौता होगा कैसे? वैसे यह कहने से भी वे नहीं चूकते कि यदि समझौता हो जाए तो इससे अच्छा कुछ नहीं होगा।

राह आसान नहीं

हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी रमेश दास कहते हैं कि समझौते की बात करना आसान है, लेकिन जब दो अलग-अलग समुदाय की बात आती है तो कोई व्यक्ति या समूह कैसे समझौता कर लेगा। यदि कर भी लेगा तो समाज उसको स्वीकार करेगा, इसकी गारंटी कौन देगा। मीर बाकी के वंशज एवं बाबरी मस्जिद के पूर्व मुतवल्ली के पौत्र रजी हसन एवं गुलाम असगर ने सुप्रीम कोर्ट के प्रयास का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि मध्यस्थता से पक्षकारों में समझौते का दबाव बन सकता है। मामले से सम्बंधित सभी पक्ष और जनता यही चाहती है कि समाधान निकले और परस्पर प्रेम, सद्भाव और सहयोग का वातावरण बनकर आम आदमी की बेहबूदी का बायस बने।

दक्षिण भारत से चुने गए तीनों मध्यस्थ

जस्टिस कलीफुल्ला : कानून में भरोसा बढ़ाया

- 23 जुलाई, 1951 को तमिलनाडु के कराईकुड़ी में मोहम्मद इब्राहिम कलीफुल्ला का जन्म हुआ।
- अगस्त 1975 में वकालत शुरु की। मार्च 2000 में मद्रास हाईकोर्ट में जज नियुक्त किए गए, फरवरी 2011 में जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में हुआ तबादला।
- सितम्बर 2011 में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस पद सौंपा गया।
- अप्रैल 2012 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद की शपथ ली। जम्मू में लोगों को कानूनी मदद उपलब्ध कराने को 'लीगल एड क्लीनिक' की स्थापना बड़ी उपलब्धि

श्रीराम पांचू : मध्यस्थता में माहिर वरिष्ठ वकील

- चेन्नई में जन्मे श्रीराम पंचू कानून में स्नातक हैं।
- 1976 में मद्रास हाईकोर्ट से वकालत शुरु की।
- 2001 में कानूनी मामलों में मध्यस्थता को भारतीय मध्यस्थता एवं विवाद निपटान केन्द्र की स्थापना की।
- 2005 में मद्रास हाईकोर्ट के सुलह केन्द्र के मानद सचिव बने।
- 2009 में मद्रास हाईकोर्ट के मध्यस्थता बोर्ड में शामिल हुए।
- असम-नगालैंड सीमा विवाद और मुंबई में पारसी धर्मस्थलों पर धार्मिक आयोजनों से जुड़े मामलों में मध्यस्थ रह चुके हैं।

श्रीश्री रविशंकर : पद्म विभूषण से सम्मानित आध्यात्मिक गुरु

- मई 1956 में तमिलनाडु के पापनाशम में जन्मे श्रीश्री रविशंकर जाने-माने आध्यात्मिक गुरु हैं।
- 1981 में 'आर्ट ऑफ लिविंग' की स्थापना की, दुनिया के 156 से ज्यादा देशों में हैं इसके केन्द्र
- 2016 में भारत सरकार ने उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से नवाजा
- भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन चलाने और धार्मिक सौहार्द्र बढ़ाने में उनकी संस्थाओं की अहम भूमिका रही है।

अदालती लड़ाई का सफ़रनामा

22/23 दिसम्बर, 49 : रात में अयोध्या स्थित विवादित स्थल के बीच के गुम्बद के नीचे कथित तौर पर चुपचाप मूर्तियां रख दी गई।

23 दिसम्बर, 49 : नमाज नहीं हो सकी। उसी दिन फैजाबाद के तत्कालीन डीएम ने मुस्लिम पक्ष को भरोसा दिलाया कि अगले जुमे को वहाँ नमाज हो सकेगी। मगर इसी दौरान धारा 145 जाब्ता फौजदारी के तहत मुकदमा कायम कर दिया गया।

29 दिसम्बर, 49 : मस्जिद कुर्क कर ली गई।

5 जनवरी, 50 : सुपुर्दगार की तैनाती के बाद से विवादित भवन का प्रबंध सुपुर्दगार को सौंपा गया।

16 जनवरी, 50 : अयोध्या के गोपाल सिंह विशारद ने दीवानी अदालत में मुकदमा संख्या 2/1950 दर्ज करवाकर अनुरोध किया कि गर्भगृह में रखी मूर्तियों को वहाँ से न हटाया जाए और उन्हें पूजा व दर्शन की अनुमति दी जाए। उसी दिन एक अस्थायी आदेश जारी हुआ।

19 जनवरी, 50 : डीएम फैजाबाद के अनुरोध पर अदालत ने अपने आदेश में परिवर्तन किया। कहा कि पूजा व दर्शन उसी तरह जारी रखा जाए जिस तरह 16 जनवरी, 50 को हो रहा था। इसी क्रम में एक और मुकदमा महंत परमहंस रामचन्द्र दास की ओर से भी दाखिल किया गया।

1955 : तक उपरोक्त दोनों मुकदमों में अस्थायी निषेधाज्ञा का मामला चलता रहा।

1959 : हिन्दू पक्ष की ओर से तीसरा दावा निर्मोही अखाड़े की तरफ से दाखिल। मुकदमे में रिसीवर से कब्जे की मांग की गई।

1961 : तक इन तीनों मुकदमों का निर्णय न हो सका।

18 दिसम्बर, 61 : मूर्तियाँ रखने की तारीख से 12 साल के अन्दर मुसलमानों की ओर से एक दावा मालिकाना हक और कब्जा वापसी का दाखिल किया गया।

1 फरवरी, 86 : एक अपील पर जिला जज फैजाबाद ने यह आदेश जारी किया कि विवादित भवन के दोनों दरवाजों पर लगे ताले खोल दिए जाएँ ताकि इमारत के गुम्बद के नीचे के स्थान तक आम जनता दर्शन व पूजा के लिए प्रवेश कर सके। इस आदेश को मोहम्मद हाशिम अंसारी की ओर एक रिट पिटीशन दायर करके चुनौती दी गई।

3 फरवरी, 86 : हाशिम अंसारी की याचिका पर हाईकोर्ट ने आदेश दिए।

10 जुलाई, 89 : फैजाबाद के जिला न्यायालय में चल रहे सभी पाँच मुकदमों को उच्च न्यायालय की लखनऊ बेंच में स्थानान्तरित करने तथा हाईकोर्ट की तीन जजों की विशेष फुल बेंच के जरिये इसकी सुनवाई का फैसला हुआ। नतीजतन सारे मुकदमे जुलाई, 89 में उच्च न्यायालय की लखनऊ बेंच में स्थानांतरित हो गए।

6 दिसम्बर, 92 : बाबरी मस्जिद ध्वस्त होने के बाद केन्द्र सरकार की ओर से 7 जनवरी, 93 को एक आर्डिनेंस जारी करके उच्च न्यायालय में चल रहे सभी मुकदमों को निरस्त कर दिया गया और राष्ट्रपति की ओर से सुप्रीम कोर्ट से इस सवाल का जवाब मांगा गया कि विवादित भवन की जगह पर कभी कोई दूसरा धार्मिक निर्माण या भवन था या नहीं।

24 दिसम्बर, 94 : इस रिफरेंस को वापस करते हुए अयोध्या एक्वेजिशन एक्ट की धारा 4(3) के तहत हाईकोर्ट में चल रहे मुकदमों को निरस्त किया गया था को खारिज करते हुए मुकदमों की सुनवाई हाईकोर्ट में करवाने का निर्णय हुआ।

जनवरी, 95 : सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार हाईकोर्ट में मुकदमों की सुनवाई फिर शुरू हुई।

1996, 97 : मुकदमों की सुनवाई महीने में लगभग दो हफ्ते हुआ करती थी मगर इसके बाद 2001 तक यह सुनवाई आमतौर पर हर महीने लगभग एक सप्ताह होती थी।

17 मई, 2002 : तक मुसलमानों की तरफ से जबानी गवाही जारी रही।

5 मार्च, 2003 : कोर्ट ने विवादित स्थल व आसपास खुदाई का आदेश दिया।

12 मार्च, 03 से 7 अगस्त, 03 : तक खुदाई का काम एएसआई ने किया।

22 अगस्त, 03 : एएसआई ने अपनी रिपोर्ट पेश की।

11 अगस्त, 06 : मुस्लिम पक्ष की गवाही खत्म होने के बाद हिन्दू पक्ष की ओर से एएसआई की रिपोर्ट के बाबत् जबानी गवाही पेश करने के लिए कहा गया।

17 अगस्त, 06 से 4 दिसम्बर 06 : हिन्दू पक्ष की गवाही चली।

25 अप्रैल 07 : अदालत ने सभी चार मुकदमों को एक ही नुक्ते का मानते हुए उनकी सुनवाई एक साथ किए जाने का निर्णय लिया।

27 अप्रैल के बाद 21 मई से : मुसलमानों की तरफ से जफरयाब जिलानी ने फिर बहस शुरू की। फिर ग्रीष्मावकाश और बेंच के एक जज जून, 07 में रिटायर होने और फिर रिक्त स्थान की बहाली अगस्त के आखिरी हफ्ते में होने के बाद यह सुनवाई 3 सितम्बर 07 में फिर शुरू हो सकी।

31 अगस्त, 2008 : इस दिन बेंच के एक अन्य जज न्यायमूर्ति ओ. पी. श्रीवास्तव रिटायर हो रहे थे और उनकी दोबारा बहाली न होने पर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल को नामजद किया।

29 सितम्बर, 2008 : मुकदमे की सुनवाई फिर शुरू हुई।

9 जनवरी : हिन्दू पक्ष की ओर से निर्मोही अखाड़े के वकील रंजीत लाल वर्मा एडवोकेट ने बहस शुरू की जो 24 अगस्त को खत्म हुई।

11 जनवरी, 2010 : सुनवाई दोबारा शुरू हुई क्योंकि बेंच के एक अन्य जज न्यायमूर्ति रफत आलम का स्थानान्तरण हो गया। उनके स्थान पर न्यायमूर्ति सिबगतउल्ला खाँ की तैनाती के बाद सुनवाई शुरू हुई।

26 जुलाई, 2010 : हिन्दू पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद न्यायमूर्ति एस. यू. खान, न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और न्यायमूर्ति डी. वी. शर्मा की फुल बेंच ने साठ साल से चल रहे इस मुकदमे की सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया। फुल बेंच ने आदेश में कहा कि सितम्बर, 10 के दूसरे पखवाड़े में अदालत इस मुकदमे के फैसले का एलान करेंगे।

1949-2010

कोर्ट से बाहर की कोशिशें

1990 : तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की दोनों पक्षों से बातचीत एक साल बाद बेनतीजा रही।

1992 : प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने बातों से स्थायी समाधान की कोशिश की।

2001 : प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पीएमओ में बातचीत की निगरानी के लिए अयोध्या प्रकोष्ठ बनाया।

2002 : कांची पीठ के शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती ने विहिप और राम जन्मभूमि न्यास से मध्यस्थता से होने वाले फैसले को मानने की लिखित सहमति ली। लेकिन अदालत के यथास्थिति रखने के फैसले के बाद विहिप हटा।

2003 : शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती ने दोबारा प्रयास किया लेकिन ऑल इंडिया पर्सनल बोर्ड के प्रक्रिया से अलग होने से यह असफल रहा।

2014 : सबसे पुराने पक्षकार मोहम्मद हाशिद अंसारी ने दो बार बातचीत से समाधान की कोशिश की। 2016 में उनके निधन की वजह से कोई नतीजा नहीं निकला।

2017 : आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने तीन सूत्रीय फार्मूले के आधार पर मध्यस्थता की कोशिश की लेकिन सहमति नहीं बनी।

2018 : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड के कार्यकारी मौलाना सलमान कोर्ट से बाहर समाधान के लिए श्री श्री रविशंकर से मिले।

अंग्रेजों ने भी किए प्रयास

1853 में अयोध्या में रामजन्मभूमि को लेकर साम्प्रदायिक हिंसा हुई। इसके बाद 1859 में तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत ने विवादित परिसर को बाहरी और आंतरिक हिस्से में बाटा। अंदरुनी ढांचे को मुस्लिमों और बाहरी हिस्से को हिन्दुओं के लिए खोला।

प्रणवीर को प्रणाम

- कैलाश विहारी वाजपेयी

आज़ादी के इतिहास की शुरुआत हल्दीघाटी के युद्ध से ही होनी चाहिये। मुगल भी विदेशी आक्रांता थे। देहली की मुगलिया सल्तनत के समक्ष सिर न झुकाने और उनके साथ वैवाहिक संबंध न बनाने के कारण ही तो महाराणा प्रताप का अकबर के साथ हल्दीघाटी में युद्ध हुआ। स्वातंत्र्य वीरों के रक्त से रंजित माटी-हल्दीघाटी आज भी रोमांचित करती है, स्वतंत्रता के दीवानों के अपार, अतुल, अनन्त शौर्य का अवगाहन करती है। आज भी लोग हल्दीघाटी की पवित्र रज से स्वयं का अभिषेक कर धन्य अनुभव करते हैं। मेवाड़ की आन, बान और शान की रक्षा के लिये हल्दीघाटी का स्वातंत्र्य युद्ध हुआ। स्वतंत्रता की चाह और चिंगारी भारतीय जनमानस में सदैव जगती रही, सुलगती रही। वही आग वीर शिवाजी में चमचमाती रही, औरंगजेब को चुनौती के रूप में तथा 1857 में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की तलवार के रूप में बिजली की तरह कौंधती रही। महात्मा गांधी और उनके अनुयायियों के अहिंसक आंदोलन में बहती रही तो नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, शहीद भगतसिंह और चन्द्रशेखर आज़ाद के रक्त में दहकती रही।

'माई एहड़ा पूत जण जेहड़ा राण प्रताप' कहकर.... कवि ने जब राणा प्रताप जैसे पुत्र को ही जन्म देने की आशा और अपेक्षा विश्व के संपूर्ण मातृत्व से की तो उसके मन में एक आदर्श कल्पना थी। निश्चय ही प्रत्येक व्यक्ति अपनी भावी संतति को तन, मन, धन से सुखी देखना चाहता है। प्रताप के व्यक्तित्व में तन, मन, धन के सौरव्य के साथ उनके व प्रजा के स्वाभिमान की भी कवि को प्रतीति हुई। निश्चय ही तन, मन, धन के सौरव्य की आदर्श कल्पना होनी ही चाहिये। जिन्होंने उदयपुर के सिटी पैलेस म्यूज़ियम में महाराणा प्रताप के लौह सैन्य कवच एवं शिरोस्त्राण को देखा है, वे ही कल्पना कर सकते हैं कि महाराणा प्रताप कितने बलवान रहे होंगे। उस सैन्य कवच एवं शिरस्त्राण को उठा पाना भी कठिन है, पहनकर युद्ध करने की बात तो कल्पनातीत है ही। यही नहीं, इसके साथ ढाल-तलवार तथा अन्य शस्त्र धारण किये हुए व्यक्ति

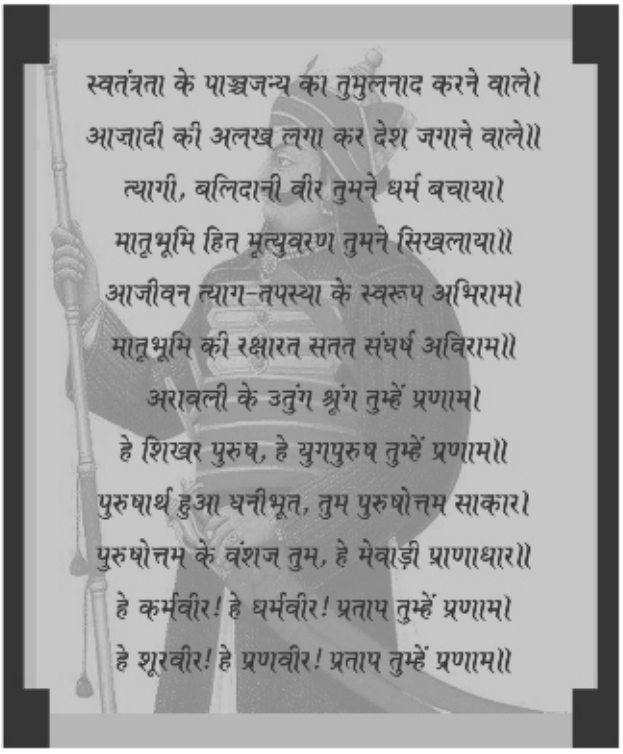

के महान पुरुषार्थ एवं अतुल-बल की कल्पना भी सहज नहीं होगी। वीरता के जीवंत रूप, मूर्तमान स्वरूप थे राणा प्रताप। अपने पौरूष, बल, वीरता और अपने युद्ध कौशल से उन्होंने मुगलों की सेना के एक बार नहीं अनेक बार दांत खट्टे किये। मुगल बादशाह का मेवाड़ विजय का सपना कभी पूरा न होने दिया।

वाह रे प्रताप! संकल्प, दृढ़ता, अविचल एवं अविराम संघर्ष, धैर्य, साहस एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत मन-मस्तिष्क वाला महामानव-महाराणा प्रताप। अधिकांश राजाओं ने बहन-बेटी के संबंध मुगल बादशाह अथवा उसके परिवार से कायम किए, परंतु प्रणवीर प्रताप ने संबंध तो दूर, सिर झुकाना भी मंजूर नहीं किया। प्रताप जैसे देशभक्त देश के स्वाभिमान एंव उसकी अस्मिता की रक्षा हेतु सिर कटा सकते हैं, झुका नहीं सकते।

महाराणा प्रताप का मंत्र था 'स्वतंत्रता'। स्वतंत्रता अमूल्य होती है। वे स्वतंत्रता का मूल्य जानते थे। उन्हीं के पद चिह्नों पर चलकर अनेकों शहीद जिन्होंने हंसते-हंसते देश की स्वतंत्रता के लिये फांसी के फंदे को गले लगाया, गोलियाँ खाई और लाठियाँ बरसी उन पर, किंतु वे वन्दे मातरम् का ही उद्घोष करते रहे। स्वतंत्रता की खातिर सन् 1857 की क्रांति में अनेकों-अनेकों ने अपने प्राणों की आहुति दी तब से 1947 में स्वतंत्रता का सूर्य उदय होने तक यह क्रम अनवरत रहा। यही वह स्वतंत्रता है जिसकी रक्षार्थ हिम मंडित दुर्गम चोटियों पर हमारे सजग प्रहरियों ने अपने प्राणोत्सर्ग किये। महाराणा प्रताप जैसा अदम्य राष्ट्रवीर स्वतंत्रता से ही संतुष्ट हो सकता था, स्वर्ण से नहीं। उन्हें 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयं प्रभा, समुज्ज्वला, स्वतंत्रता पुकारती रही।'

जिस प्रकार वीर शिवाजीमात्र महाराष्ट्र के ही नहीं सम्पूर्ण राष्ट्र के महापुरुष हैं, उसी प्रकार वीर प्रताप भी महान युग पुरुष हैं। इस देश की अस्मिता के रक्षक हैं। वे विश्ववंद्य हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया। जिन्होंने राजमहल छोड़कर जंगल में निवास किया। राज्य सिंहासन छोड़कर पर्वत-शिखरों की प्रस्तर शिलाओं को अपना आसन बनाया, जीवन भर सपरिवार वानप्रस्थी रह कर तपस्वी जीवन जिया। सत्य, अपरिग्रह, पवित्रता, शौर्य, त्याग एवं बलिदान का अकल्पनीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

महाराणा प्रताप को 'हिन्दुआ सूर्य' से भी संबोधित किया जाता है, परंतु वह सूर्य हिन्दू-मुस्लिम सभी को अपना प्रकाश देता था। हकीम खां सूर जैसे वफादार मुस्लिम सिपहसालार ने अपने प्राणों की आहुति देकर 'हिन्दुआ सूर्य' को ग्रहण नहीं लगने दिया। चित्तौड़ के दुर्ग पर बनी कई कब्रें भी वफादार राष्ट्रप्रेमी मुस्लिम सैनिकों के बलिदान की अमर गाथा कहती हैं। सही मायने में महाराणा प्रताप स्वातंत्र्य प्रेम एवं सर्वधर्म समभाव के शिखर पुरुष थे।

Bharat
Glass House

840, University Main Road, Udaipur - 313 001 (Raj.)
Ph. : 0294-2418059, Email : bharatglassudr@yahoo.com

Deals in : All kinds of Glass, Flote Glass, Figure Glass & Mirror Glass etc.

किस्सा 'येति' उर्फ 'हिममानव' का

- शिल्पा नागदा

'येति' को लेकर पिछले सौ वर्ष से अनेक कहानियां मानव समाज के बीच आती रही हैं। इसे दुनिया का सबसे रहस्यमयी प्राणी माना जाता है। हमारे देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में अगर उड़न तश्तरियों के बाद किसी अज्ञात चीज में लोगों की सबसे ज्यादा रूचि है तो वे 'येति उर्फ हिममानव' को लेकर है। इस बारे में कई बातें सदियों से चर्चा में हैं। कुछ शोधकर्त्ताओं के मुताबिक ये 40 हजार साल पुरानी पोलर बियर वाली प्रजाति है। कुछ का कहना है कि ये भालू की ही एक प्रजाति है, जो हिमालय में रहती है। चर्चाओं में ये भी रहा है कि यह एक विशालकाय वानर है, जिसके शरीर पर घने बाल है और ये दो पांवों से चलता है। दूसरी ओर जीव वैज्ञानिक इसे कपोल कल्पित मानते हैं और नमक-मिर्च के साथ परोसी गई कहानी बताते हैं। 29 अप्रेल 2019 को भारतीय सेना द्वारा नेपाल के माउंट मकालू से पोस्ट की गई कुछ तस्वीरों ने 'येति' के अस्तित्व में होने की चर्चा को फिर गरमा दिया है।

हिममानव की आहट

मिथकीय जीव येति उर्फ हिममानव लौट आया है। हालांकि उसके प्रत्यक्ष दर्शन तो अभी किसी ने किए नहीं है, पर उसके पद चिह्न के दावे के साथ कुछ चित्र भारतीय सेना के सौजन्य से ज़रूर प्रकाश में आए हैं। भारतीय सेना ने गत 29 अप्रेल को नेपाल के माउंट मकालू से कुछ तस्वीरें ट्विटर पर साझा कीं, जिनमें बर्फ पर विशालकाय पैरों के निशान दिखाई दे रहे हैं। ये निशान असामान्य हैं। इनका आकार 32 × 15 इंच तक है। मकालू बेस कैम्प वरून राष्ट्रीय उद्यान नेपाल के लिबुवन हिमालय क्षेत्र में स्थित है। यह दुनिया का एक मात्र ऐसा संरक्षित क्षेत्र जहां पर 26,000 फुट से अधिक ऊंचे उष्णकटिबंधीय वन के साथ-साथ बर्फ से ढकी चोटियां हैं। सेना के ट्विट में कहा गया है कि पहली बार भारतीय सेना के पर्वतारोही अभियान दल को 9 अप्रेल, 2019 को मकालू बस कैंप के करीब 32 × 15 इंच वाले 'येति' के रहस्यमयी पैरों के निशान दिखे हैं। दूसरी ओर

नेपाल की सेना ने 'येति' के चरण-चिह्न मिलने के दावे को साफ खारिज कर दिया है। नेपाली सेना के अधिकारी ने ये पदचिह्न किसी जंगली भालू के बताए हैं, जो इस क्षेत्र से परिचित हो सकते हैं। नेपाल की सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल विज्ञान देव पाण्डेय ने कहा कि जब पैरों के निशान देखे गए उस समय नेपाल सेना की सम्पर्क टीम भारतीय सेना के पर्वतारोही दल के साथ ही थी। ब्रिगेडियर ने कहा कि हमने वास्तविकता का पता लगाने के लिये स्थानीय लोगों व पोर्टरों से जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि वे निशान जंगली भालू के थे जो प्राय: इस इलाके में देखे जाते रहे हैं।

येति को देखने के दावे

हिमालय पर हिममानव की मौजूदगी का सवाल सालों पुराना है, जिसका जिक्र पौराणिक कथाओं में होता आया है। संभवत: यह पहला मौका है, जब किसी देश की सेना ने इस सम्बन्ध में तस्वीरें जारी की हैं। इससे पहले लद्दाख के पास कुछ बौद्ध भिक्षुओं ने भी कई साल पहले हिममानव येति को देखने का दावा किया था। सबसे पहले 1832 में पर्वतारोही बी. एच. होजशन ने येति जैसे एक बड़े जीव का जिक्र एशियाटिक सोसायटी के जर्नल में किया था। हालांकि उन्होंने खुद इस प्राणी को नहीं देखा था। उनके गाइड ने जानकारी दी और उन्होंने जर्नल में इस तरह से उसका वर्णन किया जैसे खुद उन्होंने इस प्राणी को देखा हो। रॉयल जियोग्राफिकल सोसायटी के मेम्बर और फोटोग्राफर एमए टोमबाजी ने 1925 में लिखा था कि उन्होंने 200 मीटर की दूरी से जम्मू ग्लेशियर की कंचनजंघा चोटी के पास 15,000 फुट की ऊंचाई पर बालों से ढका एक विशाल काला प्राणी देखा था। जिसकी शारीरिक बनावट इन्सान की तरह ही थी, किन्तु शरीर पर घने बाल थे। साल 1938 में विक्टोरिया मेमोरियल, कलकत्ता के क्यूरेटर कैप्टन ने अपनी हिमालय यात्रा के दौरान 'येति' देखने का दावा किया था। उन्होंने तो यहां तक कहा कि जब वे पहाड़ की ढलान पर फिसलकर घायल हो गये तो आदिमानव जैसे दिखने वाले 9 फुट लम्बे प्राणी ने उनकी मदद की। सन् 1960 में एवरेस्ट विजेता सर एडमंड हिलेरी ने हिमालय पर 'येति' की खोपड़ी मिलने का दावा किया था। जब उसे जांच के लिए भेजा तो पता चला कि वह खोपड़ी बर्फीले पहाड़ों पर पाई जाने वाली बकरी जैसे किसी जानवर की थी।

बालों का मिला नमूना

1970 में पर्वतारोहण अभियान के दौरान ब्रिटिश पर्वतारोही डान व्हिलान्स ने कहा था कि उन्होंने 'येति' के चिल्लाने की आवाज़ सुनी थी। सन् 2009 में एक फिल्म प्रोड्यूसर पियोत्र गोवाल्सकी ने भी येति को पौलेण्ड की पहाड़ियों पर देखने का दावा करते हुए कहा था कि वह एक विशाल बंदर जैसा था और शरीर पर काफी बाल थे।

दिन में नींद, रात में शिकार

जब वह हिमालय में ट्रेकिंग कर रहे थे, तब उनके गाइड ने एक विशालकाय प्राणी को देखा। यह जानवर नहीं था। जानवरों से यह इस मायने में अलग था क्योंकि यह दो पैरों पर चल रहा था। इसके शरीर पर घने लंबे बाल थे। उस का शरीर बंदर जैसा था, लेकिन वह मानव की तरह दो पैरों पर चल रहा था। माना जाता है कि वह बर्फीले इलाके में रहता है। लेकिन कौतूहल का विषय यह है कि आखिर वह बर्फ में जिंदा कैसे रहता है ? माना जाता है कि येति हिमालय के इलाकों में पाए जाने वाले जानवरों को मारकर खाता है। उसके बारे में यह भी कहा जाता है कि यह रात में शिकार करता है और दिन में सोता रहता है।

- बी. एच. होजशन

(एशियाटिक सोसायटी जर्नल, 1832)

'येति' के अनेक नाम

येति को कई अन्य नामों से भी जाना जाता है। इसे तिब्बत में 'मिचे' यानी- इन्सानी भालू। इसके अलावा मिगोई, मिरका, कांग, हिममानव और बनमांची येरेन जैसे नामों से भी जाना जाता है। ऑस्ट्रेलिया में यूवेई, ब्राजील में मॅपिंग गुड़ी, अमेरिका में बिग फुट, नेपाल में मितोह कांगमी, इंडोनेशिया में इसे भिगी का सम्बोधन दिया गया है। इस काल्पनिक प्राणी को लेकर फिल्में भी बनी हैं तो किताबें भी लिखी गई हैं।

आखिर क्या है येति

येति एक ऐसे वानर प्राणी का नाम है, जो कद-काठी में इन्सान से भी लम्बा-तगड़ा है। अनुमानत: 200 किलो वजनी यह प्राणी लम्बे घने काले बालों से ढका है। इसके अस्तित्व पर प्रश्न चिह्न होने के बावजूद इसे लोग 'घिनौना स्नो मैन' भी कहते हैं। मान्यता है कि ये हिमालय, साइबेरिया, मध्य और पूर्वी एशिया के ऐसे इलाकों में रहते हैं, जहां इन्सानों का पहुंचना मुश्किल है। यह अपने बचाव के लिए पत्थर के औजार का इस्तेमाल करते हैं।

B N CRICKET ACADEMY

Collaboration with

NDCA
NIKHIL DORU CRICKET ACADEMY

NIKHIL DORU CRICKET ACADEMY

B N COLLEGE CRICKET GROUND, UDAIPUR

Professional Cricket Coaching

Convener : M.P.SINGH SOLANKI

NIKHIL DORU
BCCI Level "B" Coach,
Current Indian Railway
Ranji Trophy Coach India 'A'
Player & Ranji Trophy Player
HPC & Technical Expert

CONVENIENCES FACILITY AVAILABLE

Age Group
7 Year Above (Boys & Girls)

THE ULTIMATE PREPARATION

VIDEO ANALYSIS ● ONE-TO-ONE COACHING
HOLIDAY CLINIC ● REGULAR MATCHES
PHYSICAL TRAINING ● PERSONALITY DEVELOPMENT

www.nikhildorucricket.com

B N COLLEGE CRICKET GROUND, UDAIPUR

9352505080 / 9001323228 8769325237

राजस्थान का सर्वाधिक सफलता देने वाला संस्थान

SBI / IBPS BANK / SSC CGL

IAS / RAS

दिल्ली एवं जयपुर के अनुभवी शिक्षकों द्वारा सिविल सेवा परीक्षा की समग्र तैयारी।

New Batch Starts at

ANUSHKA ACADEMY

Udaipur, Rajasthan ✆ 8233223322, 8233033033

मनमोहक एवं सुगन्धित खुशबू जो आपके जीवन में लाये खुशहाली

250 Products Available

CHETAK HORSE

ISO 9001:2008 CERTIFIED

Archana® Agarbatti

EXPORT QUALITY Since 1947 AGARBATTI

Registered office :

ARCHANA AGARBATTI NAVBHARAT INDUSTRIES

N.H. 76, Airport Road, Glass Factory Choraha,
UDAIPUR - 313001 (Rajasthan)
Customer Care Number : 0294-2492161, 2490899

E-mail : sales@archanaagarbatti.com
Website : www.archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti

धरी रह गई बड़े नेताओं की बड़ी-बड़ी बातें

राजस्थान में कांग्रेस का हुआ सफ़ाया

- सभी 25 सीटों पर भाजपा ने परचम फहराया
- वैभव गहलोत हारे, दुष्यंत ने दर्ज की जीत
- जयपुर राजकुमारी की राजसमंद में धमक

अजमेर

जीते : भागीरथ चौधरी
हारे : रिजु झुनझुनवाला

अलवर

जीते : बाबा बालकनाथ
हारे : भंवर जितेन्द्र सिंह

बांसवाड़ा

जीते : कनकमल कटारा
हारे : ताराचंद भगोरा

बाड़मेर

जीते : कैलाश चौधरी
हारे : मानवेन्द्र सिंह

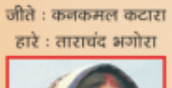

भरतपुर

जीती : रंजिता कोली
हारे : अभिजीत कुमार

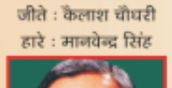

भीलवाड़ा

जीते : सुभाष बहेड़िया
हारे : रामपाल शर्मा

बीकानेर

जीते : अर्जुनराम मेघवाल
हारे : मदन मेघवाल

चित्तौड़गढ़

जीते : सीपी जोशी
हारे : गोपाल सिंह शेखावत

चूरू

जीते : राहुल कस्वां
हारे : रफीक मंडेलिया

दौसा

जीती : जसकौर मीणा
हारी : सविता मीणा

गंगानगर

जीते : निहालचंद
हारे : भरतराम मेघवाल

जयपुर

जीते : रामचरण बोहरा
हारी : ज्योति खण्डेलवाल

जयपुर ग्रामीण

जीते : राज्यवर्द्धन सिंह
हारी : कृष्णा पूनिया

जालौर

जीते : देवजी पटेल
हारे : रतन देवासी

झालावाड़

जीते : दुष्यंत सिंह
हारे : प्रमोद शर्मा

जोधपुर

जीते : गजेन्द्र सिंह शेखावत
हारे : वैभव गहलोत

झुंझुनू

जीते : नरेन्द्र कुमार
हारे : श्रवण कुमार

करौली-धौलपुर

जीते : मनोज राजोरिया
हारे : संजय कुमार

कोटा

जीते : ओम बिड़ला
हारे : रामनारायण मीणा

नागौर

जीते : हनुमान बेनीवाल
हारी : ज्योति मिर्धा

पाली

जीते : पीपी चौधरी
हारे : बद्रीराम जाखड़

सीकर

जीते : सुमेधानंद
हारे : सुभाष महरिया

राजसमंद

जीती : दीया कुमारी
हारे : देवकीनंदन

- सनत जोशी

सत्रहवीं लोकसभा के लिए हुए चुनावों में राजस्थान की जनता ने सत्तारूढ़ कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। यह बात समझ से बाहर है कि पार्टी के बड़े-बड़े नेता किस आधार पर दो-पांच सीटों को छोड़कर सभी पर अपनी जीत के बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। सच तो यह है कि उनके पास न तो पूरी जानकारी थी और न क्षेत्रों के मिज़ाज पर फोकस करने वाली कोई टीम। जनता के मन में क्या चल रहा है और संभावित नुकसान की भरपाई कैसे की जाय, इसका भी आकलन किसी के पास नहीं था। सिर्फ हवा में बातें थीं, बातों के अलावा कुछ नहीं। इन चुनावों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को जोधपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह झालावाड़-बारां सीट पर लगातार चौथी बार चुनाव जीत गए। पांच साल पहले 2014 में हुए लोकसभा चुनावों में भी भाजपा ने सभी 25 सीटों पर विजय पताका फहराई थी। इस बार भी सभी 25 सीटों पर भाजपा और उसके समर्थित एक उम्मीदवार ने जीत दर्ज कराई है। मतदाताओं ने मोदी सरकार के चार केन्द्रीय मंत्रियों और बारह सांसदों तथा एक पूर्व सांसद को फिर से लोकसभा भेज दिया है। केन्द्रीय मंत्रियों में बीकानेर से अर्जुन मेघवाल, जोधपुर से गजेन्द्र सिंह शेखावत, पाली से पीपी चौधरी और जयपुर ग्रामीण से कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह शामिल हैं। सांसदों में कोटा से ओम बिरला, चूरू से राहुल कस्वां, सीकर से सुमेधानन्द, जयपुर शहर से रामचरण बोहरा, करौली-धोलपुर से मनोज राजौरिया, टोंक-सवाईमाधोपुर से सुखविंदर सिंह जौनपुरिया, जालौर से देवजी पटेल, उदयपुर से अर्जुनलाल मीणा, चित्तौड़गढ़ से सी पी जोशी और भीलवाड़ा से सुभाष बहेड़िया शामिल हैं। इनके अलावा दौसा सीट से पूर्व सांसद जसकौर मीणा की एक अंतराल के बाद संसद में फिर वापसी हो रही है। प्रदेश की गंगानगर लोकसभा सीट पर भाजपा के निहालचन्द मेघवाल ने कांग्रेस के भरत मेघवाल को चार लाख छह हजार 978 मतों से हराकर जीत दर्ज की है। इसी प्रकार बीकानेर से भाजपा के पूर्व आईएएस अर्जुनराम मेघवाल ने कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व आईपीएस मदनगोपाल मेघवाल को दो लाख 64 हजार 81 मतों से शिकस्त दी। चूरू संसदीय क्षेत्र में भाजपा के राहुल कस्वां ने कांग्रेस के रफीक मंडेलिया को तीन लाख 34 हजार 402 मतों से हराया। झुंझुनू में भाजपा के नरेन्द्र कुमार ने कांग्रेस के श्रवण कुमार को तीन लाख दो हजार 547 मतों से मात दी है। सीकर में भाजपा के सुमेधानंद ने कांग्रेस के प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया को दो लाख 97 हजार 156 मतों से शिकस्त दी है। जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी एवं निशानेबाज, केन्द्रीय मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह ने कांग्रेस की उम्मीदवार एथलीट कृष्णा पूनिया को तीन लाख 93 हजार 171 मतों से हराया है। जयपुर शहर में भाजपा के रामचरण बोहरा ने कांग्रेस की ज्योति खण्डेलवाल को चार लाख 30 हजार 626 मतों से मात दी है। अलवर में भाजपा के बाबा बालकनाथ ने कांग्रेस के प्रत्याशी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह को तीन लाख 29 हजार 971 मतों से हराया है। इसी प्रकार भरतपुर में भाजपा की रंजीता कोली ने कांग्रेस के अभिजीत कुमार जाटव को तीन लाख 19 हजार 399 मतों से शिकस्त दी है। करौली-धौलपुर संसदीय सीट पर मनोज राजोरिया ने 97 हजार 672 मतों से जीत दर्ज कराई है।

शेष पृष्ठ 29 पर ...

जनादेश शिरोधार्य

जनादेश शिरोधार्य है, जिसे हम विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के नेतृत्व में एकजुट होकर कांग्रेस की नीतियों, कार्यक्रमों एवं सिद्धान्तों और जन घोषणा-पत्र के कार्यक्रमों के आधार पर जन-जन तक पहुंचने के लिए कठोर परिश्रम किया। उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है, हमें देश की एकता व अखण्डता को बनाए रखने के लिए कार्यरत रहना है।

- अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

'सुनमो' का कमाल

देश में भाजपा की ये ऐतिहासिक जीत न हवा है, न तूफान है, ना ये सुनामी है, ये तो 'सुनमो' का कमाल है, जो इन सबसे विशाल है। ये पीएम नरेन्द्र मोदी की विजनरी लीडरशिप तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के कुशल नेतृत्व की जीत है। मैंने पहले ही कह दिया था कि 25 की 25 सीटें जीतेंगे।

- वसुंधरा राजे, पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

पहली बार सांसद

दीया कुमारी- राजसमंद,
कैलाश चौधरी-बाड़मेर,
हनुमान बेनीवाल-नागौर,
भागीरथ चौधरी-अजमेर
रंजीता कोली-भरतपुर,
नरेन्द्र खींचड़-झुंझुनू,
बाबा बालकनाथ-अलवर,

उदयपुर

जीते : अर्जुनलाल मीणा
हारे : रघुवीर सिंह मीणा

टोंक-सवाईमाधोपुर

जीते : सुखबीर जौनपुरिया
हारे : नमोनारायण मीणा

कुछ पाने के लिए खोना पड़ता है, खुद को

- संजना फड़के

यूं तो टीवी और फिल्मी दुनिया की चकाचौंध सबको आकर्षित करती है। परन्तु शोहरत और बुलन्दी को छूना हर किसी के बस में नहीं। दिन-रात मेहनत करनी पड़ती है, यदि वह महिला है तो घर-परिवार की जिम्मेदारी के साथ उसका यह सफर और भी मुश्किल हो जाता है। संजना फड़के ऐसी ही प्रतिभाशाली टीवी कलाकार हैं। जिन्हें अभिनय के अपने शुरुआती दौर में चर्चित सीरियल परिवर्तन, कैम्पस, जय हनुमान, सी.आई.डी., आहट और कारावास (मुख्य किरदार) जैसे चर्चित सीरियलों में अलग-अलग रोल निभाने का मौका मिला। इसके बाद एक दौर ऐसा भी आया जब संजना को अभिनय से 15 साल लम्बा ब्रेक लेना पड़ा। इस दौरान उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के साथ ही घर-परिवार की जिम्मेदारियों को बखूबी संभाला। अभिनय से उन्हें बेइंतहा प्यार था, ऐसी स्थिति में कोई भी कलाकार भला इससे ज्यादा दूर कैसे रह सकता है। परिवारजनों और मित्रों के कहने पर एक बार पुनः अभिनय के क्षेत्र में अपनी दूसरी पारी की शुरुआत करते हुए मधुबाला, कोड रेड, मैं ना भूलूंगी, गुमराह, सावधान इंडिया, लौट आओ त्रिशा, क्राईम अलर्ट, क्राइम पैट्रोल, मेरे अंगने में, कुंडली भाग्य, प्यार के पापड़, जैसे चर्चित सीरियलों में अपने अभिनय के जलवे बिखेरे। वर्तमान में वे 'कुंडली भाग्य' में अपने मूल नाम संजना तथा 'प्यार के पापड़' में देवकी का किरदार निभा रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिला। जिससे अपनी अलग ही पहचान बना सकी। भविष्य में वे नेगेटिव किरदार भी निभाना चाहती हैं, ताकि उनके अभिनय का हर पहलू दर्शकों के सामने आए। अभिनय के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें 16 मई को यूएई में आयोजित एक समारोह में बेस्ट टीवी एक्ट्रेस का 'एक्सीलेन्स अवॉर्ड 2019 दुबई' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें दुबई राजघराने के सुहैल मोहम्मद अल ज़रूनी ने प्रदान किया। संजना 12 से 16 घंटे रोजाना काम करती हैं। दो-दो सीरियल की शूटिंग होने पर उन्हें 24 से 32 घंटे लगातार काम करना पड़ता है। परन्तु परिवार की खुशियों से वे कोई समझौता नहीं करती।

संजना का कहना है कि इंसान बड़े सपने अवश्य देखें, परन्तु उन सपनों को हकीकत में बदलने के लिए कड़ी मेहनत बहुत जरूरी है। कई कठिन संघर्षों से गुजरना पड़ता है। खुद को खोना पड़ता है, तब कहीं जाकर कोई इंसान आसमान की बुलन्दियों को छू पाता है।

- वन्दना कोठारी

पृष्ठ 27 का शेष ...

दौसा संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसकौर मीणा ने कांग्रेस प्रत्याशी और राज्य के काबिना मंत्री मुरारी लाल मीणा की पत्नी सविता मीणा को 78 हजार 444 मतों से हराया है। टोंक-सवाईमाधोपुर सीट पर भाजपा के सुखविंदर सिंह जौनपुरिया ने कांग्रेस के प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री नमोनारायण मीणा को एक लाख 11 हजार 291 मतों से हराया। अजमेर संसदीय सीट पर भाजपा के भगीरथ चौधरी ने कांग्रेस उम्मीदवार और प्रदेश की पूर्व काबिना मंत्री बीना काक के दामाद एवं उद्यमी रिजु झुनझुनवाला को चार लाख 16 हजार 424 मतों से हराया। सबसे चर्चित रही नागौर सीट पर भाजपा समर्थित आर. एल. टी.पी. के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा को एक लाख 81 हजार 260 मतों से हरा दिया। पाली लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के पीपी चौधरी ने कांग्रेस के बद्रीराम जाखड़ को चार लाख 81 हजार 597 मतों से हराया। इसी प्रकार देशभर में सबकी नजरों में रही जोधपुर सीट पर भाजपा के गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस के प्रत्याशी और प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को दो लाख 74 हजार 440 मतों से शिकस्त दी है। बाड़मेर सीट पर भी भाजपा के कैलाश चौधरी ने कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व भाजपा नेता व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह जसौल के बेटे और पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह को तीन लाख 23 हजार 808 मतों से हराया है। जालोर में भाजपा के देवजी पटेल ने कांग्रेस के रतन देवासी को दो लाख 61 हजार 110 मतों से हरा दिया। उदयपुर सीट पर भाजपा के अर्जुनलाल मीणा ने कांग्रेस की केन्द्रीय समिति के सदस्य और पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा को चार लाख 37 हजार 914 मतों से हराया। इसी प्रकार बांसवाड़ा सीट पर भाजपा के कनकमल कटारा ने कांग्रेस के ताराचन्द भगोरा को तीन लाख पांच हजार 464 मतों से शिकस्त दी। चित्तौड़गढ़ सीट पर भाजपा के चन्द्रप्रकाश जोशी ने कांग्रेस के गोपाल सिंह शेखावत को पांच लाख 76 हजार 247 मतों से मात दी है। राजसमंद लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी और जयपुर की पूर्व राजकुमारी दीया कुमारी ने कांग्रेस के देवकीनन्दन गुर्जर को पांच लाख 51 हजार 916 मतों से हराया। भीलवाड़ा संसदीय सीट पर भाजपा के सुभाष चन्द्र बहेड़िया ने छह लाख 12 हजार मतों से जीत दर्ज कराई। उन्होंने कांग्रेस के रामपाल शर्मा को हराया। कोटा संसदीय सीट पर भाजपा के ओम बिरला ने कांग्रेस के रामनारायण मीणा को दो लाख 79 हजार 677 मतों से मात दी है। इसी तरह झालावाड़-बारां सीट पर भाजपा के प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह ने चार लाख 53 हजार 928 मतों से जीत दर्ज कराई है। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी प्रमोद शर्मा को शिकस्त दी है।

बड़ी जीत

गजेन्द्र सिंह शेखावत
वोट : 788888
जीत का अंतर : 274440
किसे हराया :
वैभव गहलोत

राज्यवर्द्धन सिंह
वोट : 820132
जीत का अंतर : 393171
किसे हराया :
कृष्णा पूनियां

हनुमान बेनीवाल
वोट : 660051
जीत का अंतर : 181260
किसे हराया :
ज्योति मिर्धा

दीया कुमारी
वोट : 863039
जीत का अंतर : 551916
किसे हराया :
देवकी नंदन

दुष्यंत सिंह
वोट : 887400
जीत का अंतर : 453928
किसे हराया :
प्रमोद शर्मा

बड़ी हार

ज्योति मिर्धा
वोट : 478791
हार का अंतर : 181260

वैभव गहलोत
वोट : 514448
हार का अंतर : 274440

मानवेन्द्र सिंह
वोट : 522718
हार का अंतर : 323808

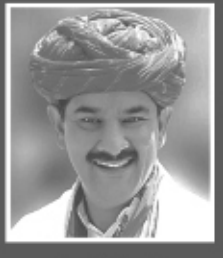

भंवर जितेन्द्र सिंह
वोट : 430230
हार का अंतर : 329971

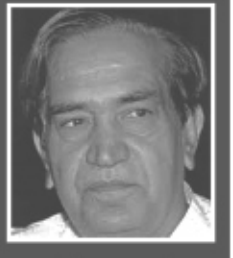

नमोनारायण मीणा
वोट : 533028
हार का अंतर : 111291

A-ONE SR. SECONDARY SCHOOL

University Road, North Ayad, Udaipur

(ENGLISH MEDIUM) NURSERY TO XII (Commerce & Science)

Dr. M.L. Changwal
Director

INTRODUCTION

This school is situated in the heart of the city at Ayad on University Road, Udaipur . This Educational institution is run by 'Kanhaiya Sewa Sansthan' established in the year 1998 aiming at all round development of children and is now one of the shining star in the galaxy

VISION

We have a vision for our scholars & each student must

- Be capable of choosing the right from wrong.
- Build up self – discipline , self confidence and a liking for toil
- Empowering student to achieve success

ADMISSION OPEN

OUR SPECIALITIES

- Limited student in each class
- Teaching through smart classes.
- Medical check up twice in a year
- Aqua Guard filtered cool drinking water facility.
- Well equipped physics , chemistry , biology and computer laboratory
- Spacious library and reading room where student take full advantage of print media & add to their store of knowledge
- Well equipped indoor and outdoor game facility.

- Whole school campus , classroom are under C.C.T.V. surveillance and supervision by management.
- Extra Co – Curricular activities are conducted where all latent talent are drawn out.
- Motivational seminars are conduted by experts and educationist , time to time for the proper growth of student.
- Experienced and devoted teachers.
- Cent Percent board exam result of class X and XII

Contact :- 0294-2413294 Mobile No. 98280-59294

Email id : mlchangwal@gmail.com

नायडू सत्ता से बेदखल, नवीन फिर लौटे

– मदन पटेल

लोकसभा चुनावों के साथ ही चार राज्य विधानसभाओं के भी चुनाव हुए। आंध्र प्रदेश में चन्द्रबाबू नायडू के हाथों से सत्ता फिसल गई है। 175 सदस्यीय राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी टीडीपी को मात्र 23 सीटें मिली हैं। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के एक दिन पहले तक वे दिल्ली में मोदी विरोधियों के बीच इस तरह सक्रिय थे मानो वे आज के विपक्ष के सिर कल सत्ता का ताज सौंपने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करने वाले हैं। किन्तु खुद मुख्यमंत्री पद ही न बचा पाए। यहां 46 वर्षीय जगनमोहन रेड्डी को विधायक दल का नेता चुना जाकर राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। दूसरी तरफ ओडिशा में बीजू जनता दल की पांचवी बार सरकार बनी है जबकि अरुणाचल में भाजपा की ओर सिक्किम में भाजपा सर्मथक सरकार का गठन हुआ है।

जगनमोहन रेड्डी
आंध्रप्रदेश के नए मुख्यमंत्री

चन्द्रबाबू नायडू
सत्ता से बेदखल

आंध्रप्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों में वाईएसआर कांग्रेस को बहुमत मिल मिला है। उन्होंने 69 वर्षीय मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेदेपा को करारी शिकस्त दी। तेदेपा 23 सीटों पर सिमट गई। वाईएसआर कांग्रेस को 151 सीटों पर जीत मिली। राज्य में बहुमत के लिए 175 सीटों में से 88 सीटों की ही जरूरत थी।

नवीन पटनायक
ओडिशा में पांचवी पारी

ओडिशा में नवीन पटनायक ने लगातार पांचवीं बार सरकार बनाई है। इससे पहले उन्होंने 2000, 2004, 2009 और 2014 में सरकार बनाई थी। उनकी पार्टी बीजद को 112 सीटों पर विजय मिली। अरुणाचल में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है। सिक्किम में पवन कुमार चामलिंग की पार्टी एसडीएफ और एसकेएम के बीच कांटे की टक्कर थी। पवन पिछले 25 साल से सरकार के मुखिया थे जिन्हें एसकेएम ने सत्ता से बाहर कर दिया है।

इस चुनाव में तेदेपा के वोट शेयर में करीब 5.94 प्रति. की गिरावट रही। इससे पार्टी को 2014 के मुकाबले(102 सीटें) 79 सीटों को नुकसान हुआ। उधर, वाईएसआर कांग्रेस के वोट शेयर में 5.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इससे पार्टी को 85 सीटों का फायदा हुआ। भाजपा के वोट शेयर में भी डेढ़ फीसदी की गिरावट देखी गई। भाजपा और कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। जीत पर जगन ने कहा कि यह जनता की जीत है। मैं लोगों की उम्मीद को पूरा करने की कोशिश करूंगा। रेड्डी ने जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी से शिष्टाचार भेंट की।

8 साल में सपना पूरा : वाईएसआर कांग्रेस के चीफ जगन मोहन रेड्डी आंध्रप्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वाईएसआर राजशेखर रेड्डी के बेटे हैं। 2 सितम्बर, 2009 में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में राजशेखर रेड्डी की मौत हो गई थी। उस वक्त कांग्रेस आलाकमान ने जगन को पार्टी की बागडोर सौंपने से इनकार कर दिया। नाराज जगन ने पार्टी से अलग होने का फैसला लिया। 12 मार्च 2011 को उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस का गठन किया। इसके बाद उन्होंने राज्य में पहला चुनाव 2014 में लड़ा और पार्टी ने 67 सीटें जीतीं। इस चुनाव में शानदार जीत पर जगन का आठ साल बाद सपना पूरा हो गया।

आन्ध्रप्रदेश विधानसभा (कुल सीटें 175)		अरुणाचल प्रदेश विधानसभा (कुल सीटें 60)		सिक्किम विधानसभा (कुल सीटें 32)		ओडिशा विधानसभा (कुल सीटें 146)	
वाईएसआर कांग्रेस	151	भाजपा	41	एसकेएम	17	बीजद	112
टीडीपी	23	एनपीपी	05	एसडीएफ	15	भाजपा	23
अन्य	01	कांग्रेस	04			कांग्रेस	09
		अन्य	10			अन्य	02

ओडिशा की जनता ने बीजू जनता दल पर एक बार फिर भरोसा जताया है। इस चुनाव में पार्टी की सीटें कुछ कम हुई हैं, लेकिन वोट शेयर में करीब 1.03 प्रति. का इजाफा हुआ है। भाजपा को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। पार्टी को 23 सीटें मिली हैं। 2014 के चुनाव में भाजपा को सिर्फ 10 सीटें मिली थीं। पार्टी के वोट शेयर में करीब 14 प्रति. का इजाफा हुआ है।

सिक्किम में सबसे ज्यादा 1994 से लगातार 25 साल तक मुख्यमंत्री रहने वाले पवन कुमार चामलिंग की पार्टी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट(एसडीएफ) को इस बार हार का सामना करना पड़ा है। उनकी विपक्षी पार्टी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा(एसकेएम) ने कुल 32 विधानसभा सीटों में से 17 सीटें जीतकर सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। एसडीएफ को इन चुनावों में 15 सीटें मिली है। सिक्किम में एसकेएम पार्टी अध्यक्ष पी. एस. गोले राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

पी. एस. गोले
सिक्किम के नए मुख्यमंत्री

पेमा खांडू, अरुणाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री

अरुणाचल प्रदेश की 60 में से 57 सीटों पर चुनाव हुए। 11 अप्रैल को 74.03 प्रति. मतदान हुआ। पिछले चुनाव की तुलना में 7 प्र.श. वोटिंग ज्यादा हुई। तीन सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। राज्य में पेमा खांडू के नेतृत्व में भाजपा ने 41 सीटें हासिल कर सत्ता पर कब्जा किया है। कांग्रेस ने 2014 के विधानसभा चुनाव में यहां 42 सीटें जीती थीं। पेमा खांडू के नेतृत्व में सरकार बनी। बाद में कांग्रेस के असंतुष्ट नेता पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल में शामिल हो गए थे। फिर सभी नेताओं ने भाजपा ज्वॉइन कर ली। इस चुनाव में कोनराड संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी को 5 सीटें मिली हैं। संगमा की पार्टी ने पहली बार चुनाव लड़ा है।

पणजी पर कांग्रेस का कब्जा : गोवा में 4 सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने 3 तथा कांग्रेस ने 1 सीट जीती। कांग्रेस ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर परिकर के निधन से खाली हुई पणजी सीट पर अपना कब्जा जमा लिया है। पणजी सीट 25 सालों से भाजपा के पास थी।

इन दिनों भीषण गर्मी के साथ वायु प्रदूषण भी है। इससे हमारी नरम-नाजुक त्वचा पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। धूप से त्वचा की हिफाजत के कुछ गुर बता रही हैं - रेणु शर्मा

गर्मियों में सहेजें नाजुक त्वचा

गर्मी की धूप त्वचा के लिए बेहद खतरनाक साबित होती है। इस धूप में मौजूद यूवीए, यूवीबी और यूवीसी(अल्ट्रावॉयलेट रेडियेशन) किरणें त्वचा को बेजान और झुर्रियों वाला बनाने के साथ-साथ उसे जला भी सकती है। सनबर्न की यह समस्या आजकल काफी बढ़ रही है। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सूर्य की किरणें बेहद महत्वपूर्ण हैं, वहीं अधिक देर तक इनके शरीर पर पड़ने से नुकसान भी हो सकते हैं। सनबर्न, सूर्य के हानिकारक अल्ट्रावॉयलेट रेडियेशन के अत्यधिक सम्पर्क में आने के कारण त्वचा पर होने वाली प्रतिक्रिया है। त्वचा चार प्रकार की होती है। सामान्य, तैलीय, शुष्क और मिश्रित त्वचा।

सामान्य त्वचा

इस प्रकार की त्वचा न तो तैलीय होती है और न सूखी। इसका स्पर्श मुलायम और मखमली होता है। सामान्य त्वचा की ठीक प्रकार से देखभाल न की जाये तो उस पर झुर्रियां और बुढ़ापे के प्रभाव का असर शीघ्र प्रकट होने लगता है। इसे गर्मियों से बचाने के लिए दिन में तीन-चार बार ठंडे पानी से धोएं। साबुन का प्रयोग एक बार से अधिक न करें।

तैलीय त्वचा

ऐसी त्वचा वाले लोगों के शरीर की तेल ग्रंथियां अधिक क्रियाशील रहती हैं। तैलीय त्वचा पर तिल, मुहांसे और फुंसियां निकलने की आशंका अधिक रहती है। चिकनी त्वचा को विशेष रूप से साफ रखने की आवश्यकता होती है, ताकि रोमकूप खुले रहें। गर्मियों में चेहरे को दिन में कम से कम चार-पांच बार धोएं।

शुष्क त्वचा

शुष्क त्वचा पर मौसम का प्रभाव तुरंत होता है। ऐसी त्वचा को तेज हवा और धूप से बचाना चाहिए। इस प्रकार की त्वचा को गर्मियों में भी नमी की आवश्यकता होती है, इसलिए साबुन का प्रयोग कम करना चाहिए। अधिक देर तक एयर कंडीशन में न बैठें। ज्यादा समय तक तेज धूप में न रहें।

मिश्रित त्वचा

इस प्रकार की त्वचा शुष्क और तैलीय त्वचा का मिश्रण होती है। इसका कुछ भाग तैलीय होता है, जैसे-माथा, नाक और ठोड़ी तैलीय होते हैं तथा बाकी भाग शुष्क होता है। इस प्रकार की त्वचा के हर भाग को अलग-अलग देखभाल की आवश्यकता होती है।

त्वचा रहेगी चमकदार

- अल्ट्रावॉयलेट किरणों से आंखों और उसके आसपास की त्वचा को बचाने के लिए सनग्लास पहनें।
- जितना अधिक से अधिक हो सके अपने शरीर को ढक कर रखने का प्रयास करें। अपने चेहरे को ढकने के लिए बड़ा हैट लगाएं।
- कॉटन के ढीले कपड़े पहनें, ताकि पसीना ट्रैप न हो, इससे बारीक-बारीक फुंसिया हो जाती हैं।
- धूप में हमेशा सन्स्क्रीन लगाएं। यह न केवल त्वचा की रक्षा करता है, बल्कि स्किन कैंसर के खतरे को भी कम करता है।
- सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक धूप में न निकलें।

- धूम्रपान न करें, क्योंकि इससे त्वचा के इलस्टिन और कोलेजन नष्ट हो जाते हैं, जिससे इसकी मुलायमियत समाप्त हो जाती है।
- तनाव न लें। तनाव से त्वचा को नुकसान पहुंचता है और यह अति संवेदनशील हो जाती है।
- दिन में दो बार किसी अच्छे साबुन या फेस वॉश से चेहरा धोएं।
- व्यायाम और योग करें। इससे शरीर में रक्त का संचरण बढ़ता है और तनाव कम होता है।
- जितना अधिक आप नींद लेंगे, उतनी अधिक मात्रा में शरीर में एचजीएच (ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन) उत्पन्न होगा, जो त्वचा की रक्षा करता है।

छाछ निखारे सुंदरता

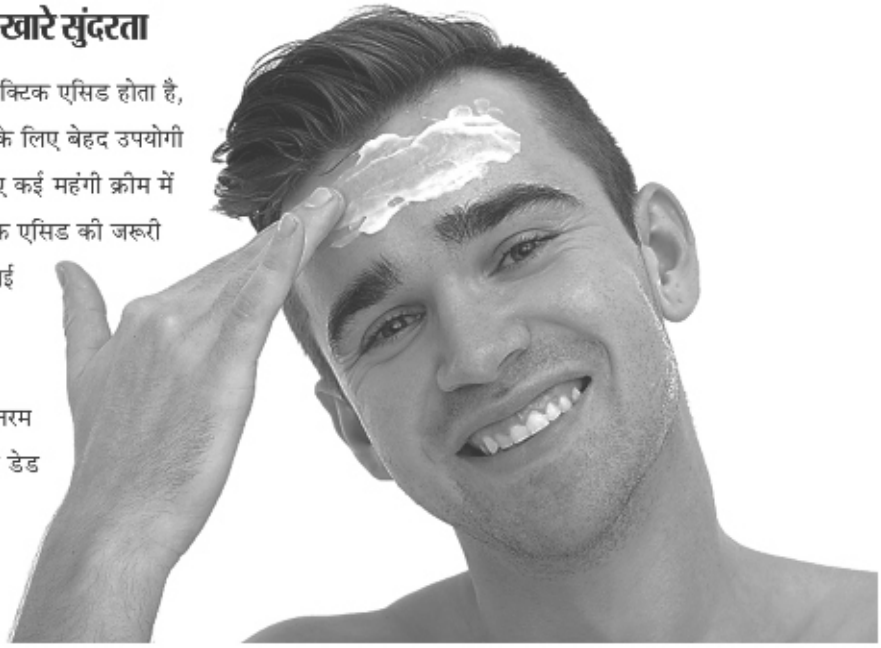

छाछ में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा के लिए बेहद उपयोगी है, इसलिए कई महंगी क्रीम में भी लैक्टिक एसिड की जरूरी मात्रा मिलाई जाती है। त्वचा को चमकाने, नरम बनाने और डेड स्किन को हटाने के लिए भी कई बार डॉक्टर इसका इस्तेमाल फेशियल पील्स के तौर पर करते हैं। बहुत ज्यादा एसिडिक होने के चलते छाछ एस्ट्रिजेंट की तरह काम करती है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, झुर्रियों आदि परेशानियों से राहत मिल सकती है, इसलिए छाछ से फेस पैक भी बनाया जा सकता है। आपको छाछ का स्वाद पसंद नहीं है तो आप उसे चेहरे पर लगाकर अपनी त्वचा चमका सकते हैं। बाजार में छाछ का पाउडर भी मिलता है।

With Best Compliments

BKMGPL

BALAJI KRIPA MARBLE & GRANITE PVT. LTD.

ALL KINDS OF MARBLE AND GRANITE BLOCK, SLABS & TILES.

398-399, Sukher Industrial Area, Sukher, Udaipur (Rajasthan) INDIA

Phone : +91-294-2442370, Fax : +91-294-2441773

e-mail : balajikripa.udr@gmail.com

ईद की खुशियों में नसीहतों के इनाम

रमज़ान मुबारक के रोजे रखकर जो खुशी का अनुभव होता है, उसी का नाम ईद है।

– सूर्यकांत द्विवेदी

मजदूर को क्या मजदूरी मिलनी चाहिए? मजदूरी के बदले क्या दिया जाए? जाहिर है, सभी का जवाब होगा पैसा। जिसने अल्लाह की राह में शिद्दत और अमल के साथ रोजे रखे, उसका क्या इनाम हो? जवाब होगा – नेकियां। ईद पर अल्लाह अपने बंदों की खुशियों से नवाजता है। उनको तोहफे देता है। ये तोहफे होते हैं कि बंदा नेक बने, ईमानदार बने, दीन व दुनिया दोनों से जुड़े, दूसरों के आंसुओं को पोंछे, उनको दर्द न दे, अल्लाह का नेक और सच्चा बंदा बनकर रहे। ईद खुशी का नाम है। खुश रहो और खुशी बांटो। यही इसका संदेश है।

रमजान मुबारक के रोजे रखकर जो खुशी का अनुभव होता है, उसी का नाम ईद है। केवल भूख और प्यास को रोकना ही रोजा नहीं, बल्कि इसके मूल में है सोहबत। बुराइयों को त्यागना और नेक बनकर अल्लाह की इबादत करना। पढ़ना और सुनना ही काफी नहीं है। अमल करना अहम है। इसलिए, माहे रमजान में इन तीनों ही चीजों पर गौर करने का संदेश दिया गया। पूरे महीने कुरान शरीफ पढ़ा जाता है, सुना जाता है और नसीहतों पर अमल करने को कहा जाता है। अल्लाह की राह में अमल अहम है। इसलिए, रमजान के बहाने बंदों को नसीहत दी जाती है कि वे अपने व्यवहार को सही करें। ईद मनाने जाएं, तो यह भी देख लें कि ऐसा कोई बंदा तो नहीं है, जो ईद नहीं मना पा रहा हो। ईद मनाओ, तो सादगी से मनाओ। अपने जान–माल का सदका दो। अल्लाह की राह में जकात और फितरा निकालो। साल में बहुत कमाया, अब उसकी राह में कुछ खर्च भी करो। खर्च को भी परिभाषित किया गया है। जो पहले से मालदार है, उसको नहीं, केवल जरूरतमंद को दो।

रमजान और ईद की नसीहतों पर जाएं, तो उसमें मुख्य रूप से पांच चीजें सामने आती हैं। पहला–तकवा यानी उसका होकर रहना। दूसरा अनुशासन। तीसरा–लोकाचार या शिष्टाचार। चौथा–सामाजिक और पारिवारिक दायित्व। पांचवा–सामाजिक सरोकार। तकवा यानी अपने अंदर ईमान पैदा करो अनुशासन का महत्व हर इंसान की जिंदगी में है। समय से खाना, समय से पीना, समय से सोना। पूरे रमजान में इसी अनुशासन का महत्व समझाया जाता है। रोजे रखकर शरीर अनुशासित रहता है। लोकाचार की दृष्टि से देखें, तो इफ्तार से लेकर ईद तक सबको साथ लेकर चलने की

सीख। सामाजिक व पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करने की नसीहत, यानी ईद व रोजे की खुशी में हरेक को शामिल करो। दीन पर भी चलें और दुनिया को भी देखो। जिस तरह दिवाली कहती है कि हर घर, झोंपड़ी में दीया जले, उसी तरह ईद कहती है कि ईद सबकी हो।

इसलिए रोजे पूरे होने पर बंदों से पूछा जाता है, बताओ तुमको क्या मजदूरी दी जाए? बंदा अपने परवरदिगार से मांगता है, मुझे बख्शीश दे, नेकियां दे, मैं तेरा हो जाऊं, बुराइयों से तौबा कर लूं। अल्लाह उसको यह दौलत देता है। नेकी, ईमानदारी व तकवे से बढ़कर कोई दौलत न है और न हो सकती है। सबसे बड़ी दौलत अमल और सामाजिक समरसता है। इसको बार-बार समझाया गया। पूरे रमजान माह में तरावीह के जरिए-अल्लाह के कलाम के जरिए। ईद एक साथ कई खुशियों की सौगात लेकर आती है। इसी महीने अल्लाह के रसूल पर कुरान-पाक नाजिल हुआ। इसी माह रोजे फर्ज हुए। इन रोजों को फर्ज यानी अनिवार्य कहा गया। इस्लाम के पांच अरकान है : कलमा, नमाज, रोजा, जकात व हज। ये सभी किसी न किसी रूप में संगठित होने, अनुशासित, स्वस्थ रहने व सामाजिक समरसता का संदेश ही देते हैं।

(हिन्दुस्तान से साभार)

भूख-प्यास को रोकना ही रोज़ा नहीं। इसके मूल में है सोहबत। बुराइयों को त्यागना और नेक बनकर अल्लाह की इबादत करना। पढ़ना और सुनना ही काफी नहीं है। अमल करना अहम है। इसीलिए, माहे रमज़ान में इन तीनों ही बातों पर गौर करने का संदेश दिया गया।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

HARI PRIYA FILLING STATION

Bharat Petroleum

Dealer :
Bharat Petroleum Corporation Ltd.

Pure for Sure

N.H. 76 Dabok, Udaipur - 313002

Ph: 0294-2655320(P), 2484009(R)

E-mail :agr_vikas14@hotmail.com, haripriyafillingstation@gmail.com

कौन चमका, कौन हुआ लुप्त फिल्म और खेल का सितारा

इस बार भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस व अन्य कुछ दलों ने फिल्म और खेल जगत के कुछ चमकते सितारों को चुनाव मैदान में उतारा जिनमें से भाजपा के झंडे तले चुनाव लड़े अधिकतर सितारों ने जीत दर्ज की जबकि अन्य ने हार-जीत का मिला-जुला स्वाद चखा।

– डॉ. वीणा शर्मा

पिछले दो दशकों से गांधी परिवार के अभेद्य दुर्ग के तौर पर विख्यात उत्तरप्रदेश के अमेठी लोकसभा निर्वाचन से अन्ततः कांग्रेस की विदाई हो गई और इसका श्रेय एक टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से देश भर में अपनी पहचान बनाने वाली स्मृति ईरानी को जाता है। 2014 में भी उन्होंने इसी सीट पर राहुल गांधी से कड़ी टक्कर ली, लेकिन हार गई। इस बार भी उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के रूप में वहीं से पर्चा भरा और राहुल गांधी को 50 हजार से अधिक वोटों से परास्त कर तहलका मचा दिया।

पंजाब के गुरुदासपुर से प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेन्द्र के बेटे और खुद नामचीन अभिनेता सनी देओल ने धमाकेदार जीत दर्ज की। इस सीट से अभिनेता विनोद खन्ना 2014 तक चार बार चुनाव जीत चुके थे। उनका 2017 में निधन हुआ। सनी पहली बार किसी चुनाव मैदान में उतरे और जीत गए। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी सुनील जाखड़ को हराया। भाजपा के टिकट पर दूसरी बार आसनसोल(प. बंगाल) सीट से चुनाव लड़ने वाले बांग्ला पार्श्वगायक बाबुल सुप्रियो ने फिल्म 'आंधी' की यादगार अभिनेत्री स्व. सुचित्रा सेन की बेटी अभिनेत्री मुनमुन सेन को पराजित किया। मुनमुन तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार थीं।

भोजपुरी फिल्मों के गायक-अभिनेता मनोज तिवारी ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली से दूसरी बार भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की। इस बार उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को चित किया। भाजपा के ही टिकट पर दूसरी बार मथुरा से चुनाव मैदान में उतरी

अभिनेत्री-नृत्यांगना धर्मेन्द्र की धर्मपत्नी हेमामालिनी ने पुनः जीत हासिल की। उन्होंने आरएलडी के कुंवर नरेन्द्र को करीब 2.94 लाख वोटों से शिकस्त दी। इसी तरह भाजपा के ही टिकट पर दूसरी बार अभिनेत्री एवं अनुपम खेर की धर्मपत्नी किरण खेर ने चण्डीगढ़ से दूसरी बार जीत का परचम फहराया। उन्होंने कांग्रेस के बड़े नेता पवन बंसल को करीब 50 हजार वोटों से हराया।

बिहार की पटना साहिब सीट से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री रविशंकर ने विजय पताका फहराई। यहां जाने-माने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को उनके हाथों मात खानी पड़ी। उल्लेखनीय है कि चुनावों से पूर्व उन्होंने अपना टिकट करने से नाराज होकर भाजपा को छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया था। यही नहीं उन्होंने उत्तरप्रदेश में लखनऊ से अपनी पत्नी पूनम सिन्हा को भी समाजवादी पार्टी से टिकट दिलाया। जहां केन्द्रीय गृहमंत्री भाजपा के राजनाथ सिंह ने उन्हें बड़ी आसानी से हरा दिया।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मठ शहर गोरखपुर से

भोजपुरी-हिन्दी फिल्मों के अभिनेता रविकिशन ने भाजपा के टिकट पर पहली बार चुनाव लड़कर जीत दर्ज की। इस सीट से योगी आदित्यनाथ एवं उनके गुरु अवैद्यनाथ संसद में भाजपा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने सपा के रामभुआल पर अपनी बड़ी जीत दर्ज कराई। बंगला फिल्म अभिनेत्री-नुसरतजहां ने तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार के रूप में बशीरहाट सीट पर 3.5 लाख वोटों से जीत हासिल की।

उनके प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सायंतन बसु को पराजय से रूबरू होना पड़ा। इसी तरह एक अन्य बांग्ला फिल्मों की कलाकार मिमी चक्रवर्ती ने तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में 2.93 लाख वोटों से भाजपा प्रत्याशी अनुपम हाजरा को जाधवपुर में हराया।

हिन्दी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़कर फिल्मों से संन्यास ले चुकी पूर्व सांसद जयाप्रदा इस बार रामपुर में हार गई। वे भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ी। उन्हें समाजवादी पार्टी के वरिष्ठतम नेता आज़म खान ने 1 लाख से अधिक वोटों से हराया। उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं जाने-माने फिल्म अभिनेता राजबब्बर को फतहपुर-सीकरी सीट पर 4.9 लाख वोटों से हार का मुंह देखना पड़ा। उन्हें भाजपा उम्मीदवार राजकुमार चाहर ने हराया। कांग्रेस के ही टिकट पर पहली बार चुनाव लड़ी अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर को मुम्बई-उत्तर से हार झेलनी पड़ी। उन्हें भाजपा के गोपाल शेट्टी ने 4.6 लाख वोटों से हराया। भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता दिनेश कुमार निरहुआ को भाजपा प्रत्याशी के रूप में आजमगढ़ से शिकस्त मिली। उन्हें समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने करीब 2.6 लाख वोटों से हराया। दक्षिण भारत की फिल्मों में विलेन के रूप में अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ने वाले सिंघम फेम अभिनेता प्रकाशराज बेंगलुरू सीट पर अपनी छाप नहीं छोड़ सके। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और मात्र 28 हजार वोट लेकर तीसरे नम्बर पर रहे। प्रसिद्ध गायक हंसराज हंस ने भाजपा से टिकट लेकर उत्तर-पश्चिम दिल्ली में 'आप' के प्रत्याशी गुमान सिंह को 5.5 लाख वोटों से शिकस्त दी।

खेल मैदान से चुनाव मैदान तक

खेल के मैदान में राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना जलवा दिखाने वाले अब उन सितारों की बात करें जिन्होंने चुनाव मैदान में उतर कर जीत-हार का स्वाद चखा है।

राजस्थान के जयपुर-ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के टिकट पर दूसरी बार चुनाव चुनाव लड़ने वाले ओलम्पिक में रजत पदक प्राप्त केन्द्रीय मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा पूनिया को करीब 3.89 लाख वोटों से हराया।

दक्षिण दिल्ली सीट से राष्ट्रमंडल एवं एशियान खेलों के पदक विजेता बॉक्सर विजेन्द्र सिंह को मात्र 1.6 लाख वोट ही मिले। उन्हें भाजपा के रमेश विधुड़ी ने परास्त किया। पूर्वी दिल्ली में पूर्व क्रिकेटर भाजपा प्रत्याशी गौतम गंभीर ने कांग्रेस के अरविन्दर सिंह लवली को 3.9 लाख वोट से हराकर अपनी और अपने बल्ले की चमक को एक बार फिर जनता में ताजा कर दिया।

पाठकपीठ

मई-19 का अंक मिला। ईस्टर पर श्रीलंका में हुए आतंकी हमले पर उमेश शर्मा का आलेख पढ़ा। इन्सानियत के हत्यारों के खिलाफ विश्वव्यापी मुहिम जरूरी है। अफसोस तो यह है कि आतंकियों की पनाहगाह पाकिस्तानी को चीन जैसे देश अपने स्वार्थों के कारण पैरोकारी करते रहे हैं। हालांकि चीन को मसूद अजहर के मामले में दुनिया के सामने अब घुटने टेकने पड़े हैं।

- महेश जेठा, उद्यमी

डॉ. चन्द्रेश छतलानी की लघुकथा 'अन्नदाता' काफी अच्छी थी। देश के अन्नदाता को राजनैतिक पार्टियों द्वारा किस तरह छला जा रहा है, उसका प्रतिबिम्ब थी, यह कहानी। किसानों के हित में वस्तुत: अब तक कोई कारगर योजनाएं बनी ही नहीं हैं।

- चेतन जैन, व्यवसायी

भारत सरकार सेना के तीनों अंगों की ताकत बढ़ाने के लिए जिस तरह से उन्हें शस्त्रों व संसाधनों से लेस कर रही है, स्वागत योग्य है। नौसेना व वायुसेना के लिए अमेरिका से अत्याधुनिक हेलीकॉप्टरों की खरीद इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सरकार देश की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। जिसका आपने भी मई के अंक में जिक्र किया है।

- सनी नाचानी, ज्वेलर्स

मनीष उपाध्याय का आलेख 'सितारे कुछ चमके, कुछ लुप्त हुए' सामयिक और खरा-खरा था। राजनैतिक दल उनके ग्लैमर को भुना कर निर्वाचित सदनों में अपनी संख्या में इजाफा तो कर लेते हैं, किन्तु जनता के मुद्दों को लेकर इनकी कभी कोई जवाबदेही नहीं देखी गई। ऐसे 'शोपीस' राजनैतिक दलों के प्रचार में तो अच्छे लग सकते हैं, लेकिन आम जनजीवन की बेहतरी में इनकी भूमिका प्राय: नगण्य ही रहती है।

- जगदीश पटवा, व्यवसायी

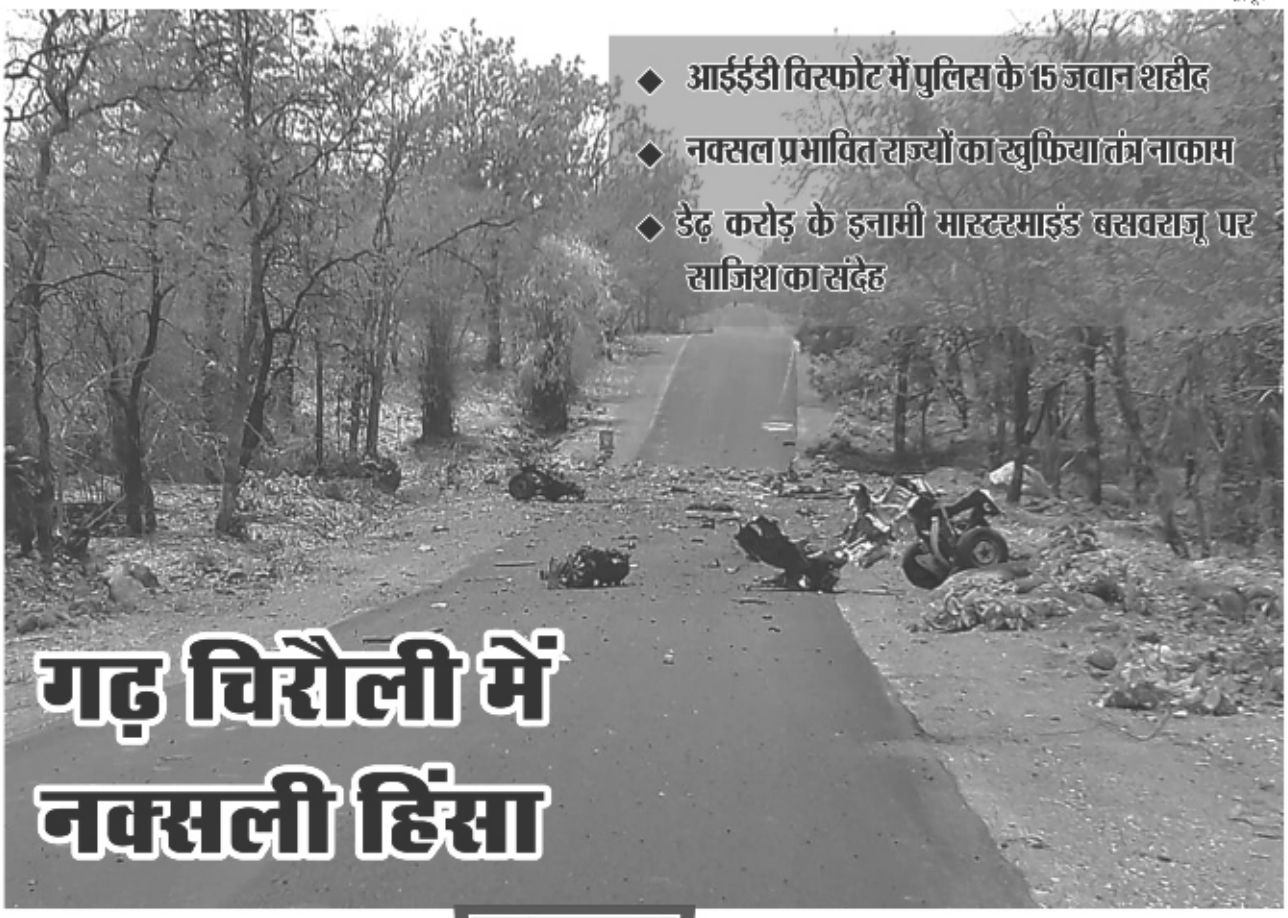

- आईईडी विस्फोट में पुलिस के 15 जवान शहीद
- नक्सल प्रभावित राज्यों का खुफिया तंत्र नाकाम
- डेढ़ करोड़ के इनामी मास्टरमाइंड बसवराजू पर साजिश का संदेह

गढ़ चिरौली में नक्सली हिंसा

- जगदीश सालवी

महाराष्ट्र के गढ़ चिरौली जिले में 1 मई को नक्सलियों ने सड़क पर आईईडी विस्फोट कर पुलिसकर्मियों को ले जा रही निजी बस को उड़ा दिया। कायरतापूर्ण इस हमले में 15 पुलिसकर्मी शहीद हो गए। बस चालक की भी मौत हो गई। ये सभी जवान पुलिस की सी-60 टीम के सदस्य थे और हमले के वक्त गश्त पर थे। कुरखेड़ा इलाके में लेंढरी नाला के पास नक्सलियों ने उन्हें निशाना बनाया।

नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें हमेशा दावा करती रही हैं कि सब कुछ उनके नियंत्रण में है और नक्सलियों से निपटने में वे सफल रही हैं, जबकि ताजा घटना ने उनके दावों को फिर खोखला साबित कर दिया है। नक्सली आज भी बेकाबू हैं और पूरी ताकत के साथ हिंसक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। जिस तरह से इस हमले की साजिश रची गई, उससे पता चलता है कि नक्सलियों से लड़ने और उन्हें मुख्यधारा में लाने की हमारी कोशिशों में कहीं न कहीं कमियां रही हैं।

योजनाबद्ध हमला

नक्सलियों ने हमले को पूरी योजना के साथ अंजाम दिया। 1 मई की अलसुबह उन्होंने सड़क निर्माण को रोकने के लिए इलाके में मौजूद तीस से अधिक वाहनों और मशीनों को आग के हवाले कर दिया। उन्हें पता था कि सुरक्षाकर्मियों का भारी जाब्ता जवाबी कार्रवाई के लिए आएगा ही, उन्होंने मार्ग में विस्फोटकों का जाल बिछा दिया। जब राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन को यह पता था कि रोड निर्माण वाला क्षेत्र नक्सल प्रभावित है, तो पहले से ही सुरक्षा इन्तजामों को पुख्ता क्यों नहीं किया गया? इस हमले ने केन्द्र-राज्य सरकार के खुफिया तंत्र की पोल भी खोल दी है।

नए कमांडर राजू पर संदेह

जहां यह हमला हुआ वह जगह छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले की सीमा से सटा इलाका है। अनुमान लगाया जा रहा है कि नक्सलियों का नया कमाण्डर बसवराजू(नंबबल्ला केशव राव) इस हमले का मास्टरमाइंड हो सकता है। पिछले साल नवम्बर से सुरक्षा एजेन्सियां इस तरह की आशंका जता रही थीं कि संगठन की जिम्मेदारी संभालने के बाद बसवराजू बड़े हमलों को अंजाम दे सकता है। सुरक्षा एजेंसियां लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई भी थीं, लेकिन भूमिगत नक्सली नेता अब तक उनके हत्थे नहीं चढ़ पाया। दो दशक से ज्यादा समय तक भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के महासचिव मुपल्ला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति की जगह बसवराजू केशव को संगठन में नई जिम्मेदारी दी गई थी। आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के जियन्नपेटा गांव के निवासी बसवराजू पिछले ढाई दशक से माओवादी संगठन की केन्द्रीय कमेटी का सदस्य है। इस पर अलग-अलग राज्यों और केन्द्रीय सुरक्षा संगठनों ने डेढ़ करोड़ का इनाम घोषित किया हुआ है।

एकीकृत कमान फेल

दो वर्ष पहले माओवादी हिंसा से प्रभावित दस राज्यों में एकीकृत कमान के गठन की पहल भी हुई थी और सभी राज्यों की साझा रणनीति बनाकर आठ सूत्री समाधान भी तैयार किया गया था। लेकिन बुनियादी समस्या यह है कि नक्सलबाद से निपटने की योजनाएं जिस प्रभावी तरीके से लागू होनी चाहिए, लगता है वे हो नहीं रही। सत्ता इसे गंभीरता से नहीं ले रही है, जिसका परिणाम यह है कि नक्सलवाद(बस्तर और गढ़ चिरौली सहित) अपने-अपने इलाकों में फल-फूल रहा है और निर्दोष लोग उसके शिकार बन रहे हैं। इस सम्बन्ध में केन्द्र और राज्य सरकारों को ठोस कदम उठाने चाहिए। यह घटना इसलिए भी गंभीर है, जब देश लोकतंत्र का उत्सव(आम चुनाव) मना रहा था तब नक्सली आग से खेल रहे थे। लोकतांत्रिक भारत में आंतरिक रूप से किसी भी सशस्त्र विद्रोह को किसी भी पैमाने से उचित या वैध नहीं ठहराया जा सकता। शहीदों को सलाम !

नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें हमेशा दावा करती रही हैं कि सब कुछ उनके नियंत्रण में है और नक्सलियों से निपटने में वे सफल रही हैं, जबकि ताजा घटना ने उनके दावों को फिर खोखला साबित कर दिया है। नक्सली आज भी बेकाबू हैं और पूरी ताकत के साथ हिंसक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं।

सी-60 कमांडो

पुलिस के गुरिल्ला कमांडो हैं। 1992 में सी-60 फोर्स गठित की गई थी। इसमें 60 जवान होते हैं। इनकी ट्रेनिंग हैदराबाद, बिहार और नागपुर में होती है। सी-60 का एक जवान अपने साथ करीब 15 किलो का भार लेकर चलता है, जिसमें हथियार के अलावा, खाना, पानी और अन्य सामान होते हैं। यह इकलौता ऐसा बल है, जिसे जिला स्तर पर तैयार किया गया। इसमें स्थानीय जनजातीय आबादी से भर्ती की जाती है। सी-60 की शुरुआत 15 टीमों के साथ हुई थी, जो अब बढ़कर 24 से पार चली गई है। यह इकलौता ऐसा बल है, जिसमें टीम को उसके कमांडर के नाम से जाना जाता है।

महावीर लाल जैन

विनोद जैन

नवकार

नवकार स्टील
6, चौखला बाजार,
चित्तौड़ा मन्दिर के नीचे
भोपालवाड़ी, उदयपुर,
फोन : 0294 2420579

नवकार मेटल
7, भांग गली,
सूरजपोल अन्दर,
उदयपुर
फोन : 0294 2417354

डीलर : स्टील, पीतल, तांबा, एल्यूमीनियम बर्तन, गिफ्ट आईटम, और कुकर पार्ट्स के होलसेल व रिटेल विक्रेता।

जल ही न बचा तो कैसे बचेगा जीवन

खतरनाक रूप से गिर रहा भूजल स्तर

- दक्षिणी और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों को छोड़कर पूरे राज्य में भूजल आपातकाल जैसे हालात।
- महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में संकट ज़्यादा।

– अमित शर्मा

सूखे का संकट देश भर में है। केन्द्रीय जल संसाधन मंत्रालय देश के 91 मुख्य जलाशयों की निगरानी करता है। जिसके अनुसार पानी का कुल भंडार 35.99 अरब घन मीटर बचा है, जो कुल क्षमता का मात्र 22 प्रति. ही है। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में संकट ज्यादा है। महाराष्ट्र में तो 1972 से अब तक का सबसे भीषण सूखा है। पानी की ऐसी कमी है कि लोग नदी, तालाबों और पोखरों के गड्ढों में जमा कीचड़ युक्त पानी पीने को विवश हैं।

जनसंख्या वृद्धि, अनियोजित विकास और औद्योगिकरण के कारण भूजल स्तर भयानक तेजी से गिरा है। समस्या उन इलाकों में अधिक गंभीर है, जहां चट्टानें सख्त हैं या पुनर्भरण का स्तर बहुत कम है। केन्द्रीय भूजल बोर्ड(सीजीडब्ल्यूबी) की एक मसौदा रिपोर्ट के अनुसार, अगले दस वर्ष में उत्तर-पश्चिम भारत में भूजल 100 मीटर और गिर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल भूजल स्तर 51 सेंटीमीटर की दर से गिर रहा है। वर्तमान में यह इस क्षेत्र में 10-65 मीटर की गहराई पर है। पिछले कई दशकों में सूखे जैसी स्थितियों के कारण यहां भूजल का अत्यधिक दोहन हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी और पश्चिमी राजस्थान के पूरे कृषि क्षेत्र में भूजल स्तर तेजी से कम हुआ है। दक्षिणी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों को छोड़कर पूरे राज्य में भूजल आपातकाल जैसे हालात हैं। सीजीडब्लूडी की 1994 और 2018 के बीच दर्ज आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 300 मीटर की गहराई तक भूजल की निकासी मौजूदा दर से चलती रही तो अगले 20-25 वर्षों में ग्राउंड वाटर पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

सूखे का संकट देश भर में है। केन्द्रीय जल संसाधन मंत्रालय देश के 91 मुख्य जलाशयों की निगरानी करता है। जिसके अनुसार पानी का कुल भंडार 35.99 अरब घन मीटर बचा है, जो कुल क्षमता का मात्र 22 प्रति. ही है। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में संकट ज्यादा है। महाराष्ट्र में तो 1972 से अब तक का सबसे भीषण सूखा है। पानी की ऐसी कमी है कि लोग नदी, तालाबों और पोखरों के गड्ढों में जमा कीचड़ युक्त पानी पीने को विवश हैं। राज्य की 358 तहसीलों में से 151 तहसील सूखा प्रभावित

भूमि पर जल स्रोतों के कम होने से लोग अब अनियंत्रित तौर पर भूमिगत जल के दोहन में लगे हैं। वे इसका प्रयोग कृषि कार्यों व पीने के लिए कर रहे हैं। चिंता का विषय यह भी है कि देश में भूमिगत जल के 50 प्रतिशत स्रोत 'सुरक्षित' नहीं है। देश के 725 जिलों में से एक चौथाई जिलों के भूमिगत जल में उच्च स्तर का फ्लोराइड पाया गया है, तो आधे से अधिक जिलों में मानक स्तर से अधिक नाइट्रेट होने की जानकारी मिली है।

घोषित हुई है। राज्य भर में 13 हजार से ज़्यादा गांव-बस्तियों में जल संकट है। हालात इतने खराब हैं कि राज्य के जलाशयों में मात्र 14 प्रतिशत पानी बचा है। पिछली 18 मई को ही राज्य के 26 बांधों में पानी का स्तर शून्य पर पहुंच चुका था। पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 26 प्रतिशत था। गांवों में पशु पालकों को 100 प्रति पशु प्रतिदिन चारा अनुदान दिए जाने के साथ ही टैंकर्स के ज़रिए पानी की सप्लाई की जा रही है।

मार्च का महीना खत्म भी नहीं हुआ था कि गरमी ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए और इसके साथ ही पीने के पानी की कमी के कारण लोगों के बीच धक्का-मुक्की मारपीट और खींचतान की खबरें अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं।

वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट की मार्च 2016 की रिपोर्ट कहती है कि भारत का 54 प्रतिशत भूभाग पानी की कमी से दुखी है। भूमि पर जल स्रोतों के कम होने से लोग अब अनियंत्रित तौर पर भूमिगत जल के दोहन में लगे हैं। वे इसका प्रयोग कृषि कार्यों व पीने के लिए कर रहे हैं। चिंता का विषय यह भी है कि देश में भूमिगत जल के 50 प्रतिशत स्रोत 'सुरक्षित' नहीं है। देश के 725 जिलों में से एक चौथाई जिलों के भूमिगत जल में उच्च स्तर का फ्लोराइड पाया गया है, तो आधे से अधिक जिलों में मानक स्तर से अधिक नाइट्रेट होने की जानकारी मिली है। करीब 80-90 जिलों में आर्सेनिक अधिक पाया गया है।

आखिर भू-जल स्तर के इस तरह निरंतर गिरते जाने का मुख्य कारण क्या है? अगर इस सवाल की तह में जाते हुए हम घटते भू-जल स्तर के कारणों को समझने का प्रयास करें तो तमाम बातें सामने आती हैं। घटते भूजल स्तर के लिए सबसे प्रमुख कारण तो उसका अनियंत्रित और अनवरत दोहन ही है। आज दुनिया अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भूजल पर ही निर्भर है। अतएव, एक ओर भूजल का अनवरत दोहन हो रहा है तो दूसरी तरफ औद्योगिकरण के अंधोत्साह में पर्यावरण को नष्ट किया जा रहा है। जंगल और पहाड़ निर्ममता से काटे जाते रहे हैं। परिणामस्वरूप बरसात का औसत लगातार घटता जा रहा है। जिससे धरती को भू-जल दोहन के अनुपात में जल की प्राप्ति नहीं हो पा रही है। भारत में दुनिया के कुल पानी का चार फीसदी उपलब्ध है, जबकि मानव आबादी 16 प्रतिशत से अधिक है।

हमारे देश में भूमिगत जल के रूप में 433.86 लाख हैक्टेयर मीटर जल प्रति वर्ष उपलब्ध होने का अनुमान है, जिसमें से 71.3 लाख हैक्टेयर मीटर जल का उपयोग घरेलू एवं औद्योगिक आवश्यकताओं तथा शेष 362.6 लाख हैक्टैयर मीटर का इस्तेमाल सिंचाई के लिए उपलब्ध है। इस प्रकार से कृषि प्रधान देश होने के कारण भूमिगत जल की सर्वाधिक खपत खेतों में सिंचाई कार्यों में होती है। जनसंख्या के लगातार बढ़ने से खाद्यान्न की मांग भी साल दर साल बढ़ती ही है, ऐसे में खेती में जल की मांग का बढ़ते रहना भी स्वाभाविक है। राजस्थान सहित देश के प्रमुख राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु आदि में भूजल के लगातार गिरते स्तर से इनकी कृषि व्यवस्था खतरे में पड़ गई है। 'जल को जीवन' इसीलिए कहा गया है कि इसकी मांग के अनुरूप उपलब्धता न होने पर किसानों को सूखा, उत्पादन में कमी के साथ-साथ गरीबी, भूखमरी व कुपोषण जैसी समस्याएं और नाना प्रकार की बीमारियों से हर साल रूबरू होना पड़ता है।

भारत के अधिकांश नगर-महानगर नदी तटों पर बसे हैं। जिनकी संख्या लगभग 600-650 है। इन शहरों और कस्बों के पानी में खेतों की कीटनाशक दवाएं और उद्योगों से निकला अपशिष्ट मिला होता है। जिनसे एक बहुत बड़ी आबादी हर समय बीमारी के चंगुल में जकड़ी रहती है।

जल संरक्षण की जो व्यवस्थाएं हमारे परम्परागत समाज में थी, उन्हें पुनर्जीवित करने पर विचार होना चाहिए। पहले समाज पानी का मामला अपने हाथ में रखता था और हर व्यक्ति मानता था कि यह काम मेरा अपना है। ऐसे में पानी के अनुचित दोहन और दुरूपयोग की संभावनाएं नहीं रहती थीं। शहरों में प्राचीन बावड़ियों को समतल कर दिया गया। तालाबों पर अतिक्रमण होकर बस्तियां बस गईं। कुएं, जोहड़, ताल सब सरकार और समाज की उपेक्षा के कारण हमारा साथ छोड़ चुके हैं। पानी को लेकर हमें अपने आप को सिर्फ आज के संकट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसके लिए दीर्घकालिक सोच बनाने और समाधान ढूंढने का समय भी आ गया है।

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

इस माह आप सकारात्मकता से लबरेज रहेंगे, भौतिक वस्तुओं पर अत्यधिक खर्च करेंगे, नये अनुबन्ध के लिए उपयुक्त समय है लाभ उठाएं। आय पक्ष अनुकूल है, वैवाहिक जीवन में मधुरता रहेगी, स्वास्थ्य उत्तम किन्तु सहकर्मियों से सावधान रहें।

वृषभ

परिवार में व्यर्थ की मांगों पर वाद-विवाद सम्भव, नैतिकता के प्रति आग्रह बना रहेगा। पिता के पूर्ण सहयोग से मानसिक मजबूती मिलेगी, भाग्य का भरपूर सहयोग मिलेगा। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा परन्तु माह के अन्त में आय के नये स्रोत बनेंगे, दाम्पत्य जीवन खुशहाल, सन्तान पक्ष से पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी। मूत्र सम्बन्धी समस्या हो सकती है।

मिथुन

नये विचार एवं नई सोच के साथ नये कार्यों का सृजन होगा। आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे, आर्थिक पक्ष उत्तम रहेगा, व्यवसाय में नया प्रयोग कर सकते हैं, नौकरी वाले पदोन्नत हो सकते हैं। सन्तान की ओर से शुभ समाचार, वैवाहिक जीवन में कुछ कटुता। रीढ़ की हड्डी से सम्बंधी रोग संभव।

कर्क

वाणी चातुर्य से अच्छे सम्बन्ध बनेंगे, हर कार्य को बड़ी ही चतुराई से सम्पन्न करेंगे, जिससे लोग प्रभावित होंगे, मकान-वाहन आदि खरीदने में रूचि बनेगी। सन्तान पक्ष खुशी देगा, भाग्य का पूर्ण सहयोग प्राप्त, आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। वायु एवं जल तत्व से पीड़ित रह सकते हैं, जीवन साथी की शारीरिक समस्याओं से परेशानी बढ़ सकती है।

सिंह

यह माह सामान्य है। बेवजह किसी न किसी से उलझते रहेंगे एवं इधर-उधर के व्यर्थ के कार्यों में समय व्यतीत करेंगे। किसी की बातों में आकर पूंजी निवेश न करें, व्यवसाय एवं नौकरी जैसी भी है बनाए रखें, वैवाहिक जीवन में तनाव।

कन्या

समय आपके पक्ष में है, आर्थिक सुधार होने से उधारी चुका पायेंगे। आपकी लगन एवं मेहनत की लोग प्रशंसा करेंगे, गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। यात्रा के अवसर मिलेंगे, अगर कोई पुरानी बीमारी है तो उससे उबर जायेंगे। नौकरी-व्यवसाय में स्थान परिवर्तन संभव, दाम्पत्य जीवन में तालमेल श्रेष्ठ रहेगा।

तुला

माह का पूर्वार्द्ध सुकूनदायी है। अपने हित-अहित को लेकर निर्णय स्वयं करें। आपके दायित्वों का निर्णय एवं नियन्त्रण दूसरों को न देवें। खर्चों की अधिकता रहेगी, घर के माहौल से क्षुब्ध हो सकते हैं, थोक व्यापार में कोई बड़ा लेन-देन न करें, आंखों में परेशानी हो सकती है। दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा, भाई-बहिनों में मतभेद बढ़ सकते हैं।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
वट पूजन अमावस्या	ज्येष्ठ कृष्ण 3	3 जून, 19
ईद-उल-फितर	ज्येष्ठ शुक्ल 2	5 जून, 19 (चांद से)
महाराणा प्रताप जयंती	ज्येष्ठ शुक्ल 3	6 जून, 19
रामेश्वर प्रतिष्ठा (गंगा दशहरा)	ज्येष्ठ शुक्ल 10	12 जून, 19
निर्जला एकादशी व्रत	ज्येष्ठ शुक्ल 11	13 जून, 19
गुरु हर गोविन्द सिंह जयन्ती	आषाढ़ कृष्ण 1	19 जून, 19

वृश्चिक

यह माह मध्यम प्रतीत होता है, पड़ोसियों के सहयोग से कार्य निष्पादन अच्छा रहेगा। मित्रों के बीच भारी खर्च करना पड़ सकता हैं, संतान पक्ष से अच्छी खबर मिलेगी, व्यर्थ की यात्राओं से आर्थिक बोझ बढ़ेगा। माह के अन्त में आय पक्ष सुदृढ़ बनेगा, व्यवसायइयों के लिए अच्छा समय है। नौकरीपेशा वर्ग अधिकारी से सावधान रहे।

धनु

यह माह मिश्रित फलदायी है। उधार न लें और न दें। इसे नजरअन्दाज करना ही बेहतर है, राजकीय कार्मिक परेशानी से गुजर सकते हैं, लापरवाही ठीक नहीं। अपने स्तर पर सोच-विचार कर कुछ नया कर सकते हैं। जो आगे लाभदायक सिद्ध होगा, बच्चों के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, जीवन में पारिवारिक अड़चनें सम्भव हैं।

मकर

दूसरों की मदद से अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल रहेंगे। मन के भाव अतिउत्साह में दूसरों को न बतायें वे इसका अनुचित लाभ उठा सकते हैं। विरोधी हावी होने की कोशिश करेंगे, धन आगमन के नये स्रोत खुलेंगे, व्यवसाय में प्रगति रहेगी। सर्दी-खांसी की परेशानी हो सकती है, संतान पक्ष से हर्षोल्लास रहेगा।

कुम्भ

यह माह सामान्य रहेगा, परिवार में तनावपूर्ण माहौल से किसी भी कार्य में मन उद्विग्न रहेगा। सन्तान के कर्तव्यों को पूरा करने में मशक्कत करनी पड़ेगी, संयम से काम लेवें, अतिशीघ्रता एवं क्रोध पर नियन्त्रण रखें, व्यवसायिक कार्यों में सक्रियता बढ़ेगी, आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, नौकरी में उन्नति के आसार हैं।

मीन

मौज-मस्ती एवं सामाजिक मेल-जोल आपको सुकून देगा, उधार मांगने वाले को नजरन्दाज करें। सन्तान पक्ष से परेशानी हो सकती है, नये कार्य के लिए अनुकूल समय है, कोई बड़ा सौदा लाभ दिलाएगा, आर्थिक समस्याओं से निजात मिलेगी, दाम्पत्य जीवन में अच्छा तालमेल, स्थान परिवर्तन भी संभव, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

डॉ. मुर्डिया को डीएस कोठारी एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर। डॉ. अजय मुर्डिया को डॉ. डीएस कोठारी एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया। उन्हें यह अवार्ड विज्ञान समिति, माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन, राजस्थान चैप्टर एवं दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया उदयपुर सेंटर के साझे में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में दिया गया। संस्थापक डॉ. के. एल. कोठारी ने बताया कि इस मौके पर तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि सुविवि के कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा थे।

मेडिसेंटर डूंगरपुर शाखा का शुभारंभ

उदयपुर। मेडिसेंटर सोनोग्राफी एंड क्लीनिकल लेब की डूंगरपुर शाखा का उद्घाटन हुआ। शुभारंभ कॉऑपरेटिव बैंक के पूर्व जॉइंट रजिस्ट्रार जे. एल. जैन, सभापति के. के. गुप्ता, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. शलभ शर्मा और सीएमएचओ डॉ. महेन्द्र परमार ने किया। डॉ. मनीष सेठ, डॉ. मयंका सेठ ने बताया कि अन्य जिला मुख्यालय पर डायग्नोस्टिक सर्विसेज देने के प्रयास में डूंगरपुर में सुविधा शुरू की है। ऑटोमेटिक मशीन पर सभी प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। मरीज घर बैठे रिपोर्ट देख सकते हैं। ओपीजी व सीटी स्कैन भी उपलब्ध है।

अशोक बोहरा सचिव बने

उदयपुर। इंडियन कम्पोस्टेबल पॉलीमर एसोसिएशन के मुंबई स्थित अंधेरी में हाल ही सम्पन्न चुनाव में उदयपुर के अशोक बोहरा को सचिव चुना गया। एसोसिएशन कम्पोस्टेबल प्रोडक्ट बनाने वाली एकमात्र संस्था है। कॉर्न स्टार्च से बनने वाले इसके बैग व गार्बेज के बैग 180 दिन में खाद से परिवर्तित हो जाते हैं। इस समय लगभग 22 राज्यों में प्लास्टिक बैग्ज पर प्रतिबंध है लेकिन दुर्भाग्य से प्लास्टिक बैग्ज सरेआम उपलब्ध हैं। एसोसिएशन सभी राज्यों में प्लास्टिक बैग्ज पर प्रतिबन्ध लागू

आलोक बने अंतर्राष्ट्रीय चेयरमैन

उदयपुर। जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फैडरेशन के अध्यक्ष कमल संचेती ने जैन सोश्यल ग्रुप अर्हम् के संस्थापक-अध्यक्ष आलोक पगारिया को केरियर गाइडेंस कमेटी का अंतर्राष्ट्रीय चेयरमैन नियुक्त किया है। विश्व के सबसे बड़े जैन संगठन जैन सोश्यल ग्रुप में पगारिया की नियुक्ति आगामी दो वर्ष सत्र 2019-21 के लिए की गई है।

कॉलेजों में दाखिले की दौड़

जयपुर। प्रदेशभर के 252 से अधिक सरकारी कॉलेजों के शैक्षणिक सत्र 2019-20 में प्रवेश की दौड़ अगले माह से शुरू होगी, जिसकी पूरी तैयारी कॉलेज शिक्षा निदेशालय ने कर ली है। इन कॉलेजों में प्रवेश की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से होंगे और आवेदन फॉर्म एक जून से शुरू होंगे, जो 15 जून तक पूरे होंगे। वरीयता एवं प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा।

आदिशंकराचार्य जयंति संगोष्ठी

संयम से जीवन में सब कुछ हासिल : सारंगदेवोत

उदयपुर। भारतीय दर्शन में विश्व का सम्पूर्ण ज्ञान समाहित है जो विश्व को दिशा दे सकता है, 21वीं सदी भारत की है और भारत पुन: विश्व गुरू कहलायेगा। संयम एवं आत्मकेन्द्रीकरण के आधार पर शंकराचार्य ने छोटी सी आयु में सब कुछ प्राप्त करलिया था। यह विचार राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय की ओर से प्रतापनगर स्थित केन्द्रीय सभागार में आदिशंकराचार्य की जयंति पर आयोजित संगोष्ठी में कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने अपने सम्बोधन में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि जीवन को हमेशा सहज, सरल एवं तरल रख इसमें निरंतरता बनाये रखे। जीवन में उतार-चढ़ाव जीवन की सहज क्रिया है इसे पार कर आगे बढ़ना चाहिए। व्यक्ति ठोकर खा कर ही आगे संभल कर चलता है और उसी पथ पर चलते हुए सफलतापूर्वक अपनी मंजिल तक पहुंच भी जाता है। आदि शंरकाचार्य ने सनातन धर्म को पुनर्स्थापित किया और अपने जीवन काल में ही वेदों से लेकर जंगलों तक की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि आज का भूभाग उस समय सनातन संस्कृति से आच्छादित था। पूरे विश्व की राजधानी भारत को स्थापित करते हुए आदि शंकराचार्य ने चारधाम पीठों की स्थापना की। सनातन धर्म के शासन का क्षेत्र पूरे विश्व को माना। इस अवसर पर पीजी डीन प्रो. जी एम मेहता, डॉ. भवानी पाल सिंह राठौड़, डॉ. चन्द्रेश छतवानी, डॉ. तरूण श्रीमाली, डॉ. हरीश शर्मा, डॉ. घनश्याम सिंह परिहार, कृष्णकांत नाहर, जितेन्द्र सिंह चौहान सहित अधिकारी उपस्थित थे।

खण्डेलवाल फोर्टी के उपाध्यक्ष

जयपुर। फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री(फोर्टी) ने कार्यकारिणी 2019-2022 घोषणा की। गिरिराज खंडेलवाल उपाध्यक्ष बने। इससे पूर्व वे फोर्टी की कार्यकारिणी में अतिरिक्त महामंत्री के पद पर कार्यरत थे। अपने निर्वाचन पर उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि अग्रवाल ने पिछले तीन वर्षों में फोर्टी को बुलंदियों पर पहुंचाकर राजस्थान ही नहीं विदेशों में भी एक अलग पहचान दिलाई है। उनके कुशल नेतृत्व में फोर्टी ने नए आयाम स्थापित किए। खण्डेलवाल ने कहा कि वे राज्य के व्यापारियों व उद्यमियों की आवाज बनकर व्यापार में आ रही समस्याओं को मुखरता से सरकार के समक्ष उठाकर उनके समाधान में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

79 यूनिट रक्त संग्रहण

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान में गत माह आयोजित रक्तदान शिविर में 79 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ। शिविर का उद्घाटन संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने किया। इस अवसर पर डॉ. ए. एस. चूण्डावत, डॉ. भागचन्द रेगर, डॉ. संजय गांधी, संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल, रविन्द्रपाल सिंह कप्पू, दल्लाराम पटेल, रोहित तिवारी आदि भी मौजूद थे।

सीपीएस को सर्वश्रेष्ठ स्कूल अवार्ड

उदयपुर। इंडियन एजुकेशन अवार्ड टीम ने सेन्ट्रल पब्लिक सीनियर सेकंडरी स्कूल, न्यू भूपालपुरा को इंटरपर्सनल स्किल के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ स्कूल के रूप में चुना है। गत दिनों दिल्ली में हुए समारोह में स्कूल को यह अवार्ड दिया गया।

शिक्षकों का आभार प्रदर्शन

उदयपुर। द स्कॉलर्स एरिना संस्थान में शिक्षण सत्र के समापन पर शिक्षक आभार प्रदर्शन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्री राहुल बड़ाला व विशिष्ट अतिथि पद्मावती संस्थान के संरक्षक बी. एल. जैन, संस्थान के प्रशासक डॉ. लोकेश जैन, निदेशक माया त्रिवेदी, प्राचार्य डॉ. सीमा राजपुरोहित थी। संस्थान निदेशक शर्मिला जैन ने बताया कि शिक्षकों को उपहार प्रदान करने के साथ उनके योगदान को सराहा गया। समारोह में शिक्षकों व विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी।

अरविंद सिंह मेवाड़ को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अरविन्द सिंह मेवाड़ को इंटरनेशनल होस्पिटैलिटी कौंसिल(आईएचसी) ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2018 से सम्मानित किया। यह सम्मान, 5 दशकों से आतिथ्य उद्योग की संवृद्धि के लिए दिए जाने वाले सराहनीय मार्गदर्शन एवं योगदान के लिए दिया गया। आईएचसी निदेशक अब्दुल्ला अहमद व आईआईएचएम के प्रो. डी. घोष ने मेवाड़ को सम्मानित किया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में गत दिनों चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। छात्रों को एक और डिग्री मिलने की प्रसन्नता तो दूसरी ओर पुराने मित्रों से मिलने के अवसर से वातावरण खुशनुमा था। विश्विद्यालय के वाईस चांसलर डॉ. वी. के. वैद्य द्वारा दीक्षांत समारोह को शुरू करने की घोषणा के साथ विभिन्न संकायों के डीन द्वारा डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित कर विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा डिग्री प्रदान की गई। मंच पर मुख्यत: पीएचडी एवं एमफील के छात्र-छात्राओं के साथ ही स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरित की गई। समारोह में चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार ने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

रोटरी टाया फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारंभ

उदयपुर। रोटरी क्लब के अशोक नगर में नवनिर्मित रोटरी टाया फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारंभ वॉलकेम इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अरविंद सिंघल ने किया। क्लब के कम्युनिटी सर्विस निदेशक महेन्द्र टाया ने बताया कि शिविर में कंधा, गर्दन, कमर, घुटनों व जोड़ों का दर्द, मानसिक एवं शारीरिक अपंगता, शारीरिक अंगों की विकृति, फ्रेक्चर या ऑपरेशन के बाद की समस्या, बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास की समस्या, नसों व खून की नलियों में खराबी तथा मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं का निदान किया जाएगा। इस दौरान यशवंत कोठारी, निर्मल कुणावत, डॉ. बी. एल. सिरोया सहित रोटरी क्लब के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

डांगी का सम्मान

उदयपुर। भारत में शीर्ष 50 खुदरा विक्रताओं में शामिल हुए सुनील गारमेंट के अनिल डांगी अपने अतिरिक्त साधारण बिक्री प्रयासों के लिए निदेशक किलर मेन्सवियर ब्रांड हेमंत जैन व लखबीर सिंह ब्रांड प्रमुख सहित टीम राजस्थान से पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

रेलवे स्टेशन को दी व्हील चेयर

उदयपुर। उदयपुर नगर माहेश्वरी युवा संगठन ने सिटी रेलवे स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों की सुविधा केलिए दो व्हील चेयर भेंट की। सचिव हितेश भदादा ने बताया कि अध्यक्ष राकेश काबरा, स्टेशन अधीक्षक मुकेश जोशी, भरत बाहेती, तरुण असावा आदि मौजूद थे।

प्रस्तुतियों के साथ मनाया नर्सेज डे

उदयपुर। फ्लोरेंस नाइटेंगल की याद में जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में नर्सेज डे का आयोजन हुआ। नर्सिंग स्टाफ ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनन्द झा और अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के संरक्षक डॉ. एस. के. कौशिक, वित्त प्रबंधक निखिल जैन ने दीप प्रज्वलन किया। डिप्टी नर्सिंग सुप्रीटेंडेट स्मिता ने कर्मचारियों को शपथ दिलाई। खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संचालन एच आर प्रबंधक वंदना शर्मा ने किया। मेवाड़ बीएससी नर्सिंग कॉलेज में विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

रेलवे स्टेशन पर बेंचों का लोकार्पण

उदयपुर। रोटरी क्लब उदयपुर ने राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन पर 5 बेंचों का लोकार्पण किया। पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी ने लोकार्पण किया। क्लब अध्यक्ष ओ पी सहलोत, सुभाष सिंघवी, सुशील बांठिया आदि मौजूद थे।

फतहसागर पाल पर सात बैंच

उदयपुर। इनरव्हील क्लब की ओर से फतहसागर की पाल पर आगन्तुकों की सुविधा के लिए मार्बल निर्मित 7 बैंच लगाई गई। शुभारंभ रोटरी अंतरराष्ट्रीय के पूर्व अध्यक्ष कल्याण बनर्जी ने किया। क्लब अध्यक्ष आशा कुणावत, निर्मल सिंघवी, निर्मल कुणावत, मानिक नाहर, इनरव्हील सचिव निधि कुमट, गिरिराज शर्मा एवं अन्य मौजूद थे।

मावली में बीओबी का एटीएम शुरू

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा जयुर अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख प्रकाशवीर राठी के उदयपुर दौरे में उनकी अध्यक्षता में बैंक के चयनित शाखा प्रमुखों की क्षेत्रीय समिति की बैठक हुई। जिसमें व्यावसायिक मानदण्डों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन वाले शाखा प्रमुखों को सम्मानित किया गया। मावली स्थित बबाल सिंथेटिक इंडिया परिसर में नए एटीएम का भी उद्घाटन हुआ। इस मौके पर अंचल प्रमुख के साथ क्षेत्रीय प्रमुख अशोक डंगायच व प्रकाश बोहरा भी मौजूद थे।

नई ऑल्टो 800 लॉन्च

उदयपुर। मारुति सुजुकी ने हैचबैक कार ऑल्टो 800 के नए संस्करण को लॉन्च किया है। कार को नए सुरक्षा मापदंडों के अनुरूप विकसित नए बीएस 6 इंजन के साथ पेश किया गया है। डीलरशिप टेक्नॉय मोटर्स पर डीलरशिप सीईओ दिनेश जैन व सीएफओ सम्पत जैन की ओर से नई ऑल्टो 800 को लॉन्च हुआ। सुजुकी के टीएसएम अनुराग असोपा व डीलरशिप के सीईओ अनुज देशवाल, सीएमडी सुनीता देशवाल, पूरी टीम तथा सभी मुख्य फाइनेंर्स मौजूद थे। डीलरशिप नवनीत मोटर्स पर मुख्य अतिथि सीएस शर्मा, जीएम भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड की ओर से नई ऑल्टो लॉन्च की गई। मारुति सुजुकी के एरिया मैनेजर हीरेन सांचला, डीलरशिप जीएम मोहम्मद खान व अन्य मौजूद थे।

शोक समाचार

पवन खेड़ा को पितृ शोक

उदयपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता श्री पवन खेड़ा के पिताश्री हरबन्स लाल जी खेड़ा का 22 अप्रेल को स्वर्गवास हो गया। एक सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप में उन्होंने शहर व प्रदेश में अपनी अच्छी पहचान बनाई। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती निर्मल कांता, पुत्र पवन खेड़ा, पुत्रियां नीता ग्रोवर व रूपम खेड़ा सहित सम्पन्न एवं समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट, महासचिव अविनाश पांडे, डॉ. सीपी जोशी, डॉ. गिरिजा व्यास, रघुवीर सिंह मीणा सहित अनेक नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्त्ता श्री जगन्नाथ जी शर्मा सुपुत्र स्व. वासुदेव जी शर्मा का 6 मई को स्वर्गवास हो गया। वे 90 वर्ष के थे। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती चमेली देवी, पुत्र सतीश, सत्येन्द्र, आशुतोष, अरविंद व आनन्द शर्मा, पुत्रियां शशिबाला तथा अनिता व पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा, देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालसिंह झाला, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा सहित विभिन्न राजनैतिक-सामाजिक संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। स्व. सरदार स्वरूपेन्द्र सिंह छाबड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती जसबीर कौर जी छाबड़ा का 28 अप्रेल को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र डॉ. महेन्द्रपाल सिंह, सत्येन्द्रपाल सिंह 'टिंकू' व डॉ. मुकेश बड़जात्या व पुत्री विन्नी चौपड़ा सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों तथा दोहित्र-दोहित्रियों का वृहद एवं समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर शहर की अनेक सामाजिक संस्थाओं ने दुख प्रकट किया है।

उदयपुर। सरदार कंवलजीत सिंहजी की धर्मपत्नी श्रीमती अमित कौर मल्होत्रा का 1 मई, 2019 को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्री जान्हवी, महेन्द्र कौर-चरन सिंह सलूजा माता-पिता एवं भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री बाबूलाल सेन पुत्र श्री स्व. गणेशलाल जी सेन का 18 अप्रेल को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय माता तुलसी बाई, धर्मपत्नी तुलसी देवी, पुत्र नरेश, पुत्रियां सुशीला व नीता तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीरामचन्द्र जी शुक्ला का 4 मई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र रमेश व मुकेश शुक्ला, पुत्री मंजू देवी तथा पौत्र-पौत्री व दोहित्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए

उदयपुर। स्व. कमललाल जी पानेरी, एडवोकेट की धर्मपत्नी श्रीमती भगवती देवी जी का 19 मई, 2019 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र रमेश, ओमप्रकाश, लक्ष्मीकांत, जगमोहन, ललित एवं कमलेश पानेरी, पुत्रियां श्रीमती हेमलता व श्रीमती दिव्या तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री ललित किशोर पुत्र श्री श्याम सुन्दर जी कुमावत का 9 मई को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता श्रीमती प्रेमबाई-श्यामसुन्दर जी, धर्मपत्नी श्रीमती जयश्री, पुत्र राहुल व पंकज, पुत्रियां दीपिका तथा शिवानी, पौत्र-पौत्रियां व दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सोहनलाल जी परिहार(सेन) देलवाड़ा वाले का 8 मई 2019 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती भंवरी बाई, पुत्र चन्द्रप्रकाश, विजय परिहार, पुत्री श्रीमती हंसा देवी, पौत्र मनीष व बादल परिहार सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डॉ. अम्बेडकर जयन्ती समारोह समिति के संरक्षक एवं 'दृष्टिकोण' पाक्षिक समाचार पत्र के संपादक एडवोकेट प्रकाश मेघवाल का आकस्मिक देहावसान 1 मई को हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी, पुत्र खिलेन्द्र, विजेन्द्र एवं शैलेन्द्र मेघवाल तथा पुत्री ज्योत्सना सहित भाई-भतीजों एवं पौत्र-पौत्रियों का विशाल परिवार छोड़ गए हैं।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com

www.aadharproducts.in

NABH Accreditation

GBH AMERICAN HOSPITAL

A Leader in Quality Care-Always

आपका स्वास्थ्य और खुशहाली ही हमारा लक्ष्य है। हमारी सम्पूर्ण व्यवस्था की प्राथमिकता आपको स्वास्थ्य सेवा और सुविधा उपलब्ध कराना है, जिस पर आपका अधिकार हैं। यहां मौजूद विशेषज्ञ डॉक्टर्स आपके स्वास्थ्य की समस्त चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हैं। संस्थागत ढ़ाचा तकनीकी रूप से सर्वोत्तम है। यहां उपलब्ध विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा, अनुकुल वातावरण, विनम्र और स्नेही स्टाफ के साथ है जी.बी.एच. अमेरिकन हॉस्पिटल का 12 वर्षों का अनुभव – जो स्वास्थ्य सेवाओं में एक विश्वसनीय नाम है।

राजस्थान सरकार के कर्मचारी, पेंशनर्स, ईएसआईसी, ईसीएचएस, उत्तर पश्चिम रेलवे
एवं समस्त मेडिक्लेम कंपनियों के लिए मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

स्वास्थ्य सेवा में विश्वसनीय नाम, जी.बी.एच. अमेरिकन हॉस्पिटल

गुणवत्ता । विश्वसनीयता । सफलता

उपलब्ध सुविधा

- न्यूरोलॉजी
- न्यूरो व स्पाइन सर्जरी
- हड्डी एवं जोड़ रोग
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- गहन चिकित्सा इकाई
- जनरल सर्जरी
- बाल एवं शिशु रोग
- नाक–कान–गला रोग
- जनरल मेडिसिन
- पेट व लीवर रोग
- हृदय रोग
- चर्म रोग
- मूत्र रोग
- नेफ्रोलॉजी
- रेडियोडायग्नोसिस

आधुनिक कैथ लैब

एम.आर.आई.

डायलिसिस

उन्नत लिनियर ऑपरेशन थियेटर

भट्ट जी की बाड़ी, उदयपुर
सम्पर्क – 0294-3056000, 2426000

24/7 Service
Trauma Helpline 93523-04050

Founded on Trust. Envisioning Infinite Possibilities.

Becoming a leading Agri Chem company took us foresight, acumen and ability. But it all started with our foundation of trust. Our principles of complete business transparency and an adherence to the highest standards have made us global experts and a partner of choice in our business. We are confident that our belief in trust will lead us to infinite possiblities by leveraging our capabilities across the Agri Sciences value chain by providing integrated and innovative services & solutions by partnering with the best.

OUR BUSINESS PRINCIPLES

ADAPTABILITY
Constantly transforming ourselves like water, we are nimble footed and highly responsive to change.

TRUST
We work with integrity of purpose, honesty in action and fairness in all our dealings.

SPEED
Blazing ahead, we constantly strive to work with speed in the way we observe, think and act.

INNOVATION
The constant quest for horizon, the never ending search for a better, newer way to do things. Innovation is a way of life for us.

Inspired by Science

PI Industries Ltd

www.piindustries.com | info@piindustries.com

Eternal Mewar

Custodianship unbroken since 734 AD

A Living Institution

Maharana of Mewar Charitable Foundation

49 years in service as an inspiration to mankind by applauding outstanding achievement

Installation of the statue of Maharana Pratap
at Pratap Prangan, Maharana Pratap Airport, Dabok, Udaipur

Maharana Mewar Foundation Annual Awards Distribution Ceremony
at The Manek Chowk, The City Palace, Udaipur

Omkareshwar Mahadev Temple, Shree Bholanath Mandir Public Trust
Intali Kheda, Tehsil - Salumber, Udaipur

Front facade of the restored
Government Girls' Senior Secondary School Jagdish Chowk, Udaipur

Development of the park at Devasthan Department
MG College Road, Udaipur

Medical Camp for widows organised by
Swami Vivekanand Sewa Nyas, Udaipur

Maharana of Mewar Charitable Foundation

The City Palace, Udaipur 313001, Rajasthan, India

T: +91 294 2419021-9 F: 2419020 mmcf@eternalmewar.in www.eternalmewar.in